www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
4 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 68 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

तीसरे शख्स को पता थी केतन अग्रवाल के मर्डर की प्लानिंग

- पुणे हत्याकांड में दावा-सिया-चेतन ने उसे बताया था

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने बीड से एक युवक को हिरासत में लिया है। यह युवक बालेवाड़ी की एक कंपनी में काम करता है। दावा है कि तीसरा शख्स सिया या केतन में किसी

एक का दोस्त है। दोनों ने उससे केतन के मर्डर की प्लानिंग शेयर की थी। हालांकि युवक का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस युवक को गवाह भी बना सकती है। वहीं, पुलिस सूत्रों के हवाले से जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी चेतन चौधरी और सिया ने वारदात से पहले 'क्राइम पेट्रोल' देखा था।

ई-रिक्शा को बीच सड़क पर रोकने वाले चीनी एप होंगे बंद

- केंद्र सरकार की सख्ती, प्लेस्टोर से हटाने का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ई-रिक्शा को दूर से रोकने वाले दो चीनी ऐप्स अब बंद होंगे। केंद्र सरकार ने बीएटी और बीएमएस ऐप्स नाम के इन ऐप्स को ऐप स्टोर से हटाने का आदेश दे दिया है। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसे ऐसे तीन ऐप के बारे में पता चला था और उन्हें ऐप स्टोर से हटा

दिया गया है। आईटी सेक्रेटरी एस. कृष्णन ने जोर देकर कहा कि ऐप स्टोर को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को उनके सामने उठाएगी ताकि यह पक्का किया जा सके कि नुकसान पहुंचाने वाले ऐप उपलब्ध न हों। इस मामले में कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कृष्णन ने कहा, यह सच है... कुछ ऐप हैं जिनके बारे में हमें कल पता चला और उन दोनों को ऐप स्टोर से हटा दिया गया है।

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई...
खामेनेई को भारत ने पेश की खिराज-ए-अकीदत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान अपने मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए हफ्ते पर चलने वाला अंतिम संस्कार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अंतिम संस्कार कार्यक्रम कल 4 जुलाई को शुरू होगा, जो 9 जुलाई को पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफनाने के साथ पूरा

होगा। मशहद खामेनेई का गृह नगर भी है। इसके पहले शुक्रवार को अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के शवों को इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाला मस्जिद में लाया गया, जहां लोगों को उन्हें श्रद्धांजलि देते देखा गया। शुक्रवार को भारत से पहुंचे धर्म गुरुओं ने भी ईरान के सुप्रीम लीडर को श्रद्धांजलि दी।

आ गया मानसून, छा गया मानसून

- हिमाचल से लेकर एमपी तक झमाझम बारिश
- उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़, किन्नौर में लैंडस्लाइड
- गुजरात में बच्चे पानी में बहे, कई गाड़ियां दबीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई। राज्य में 49 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। मध्य प्रदेश में मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। उज्जैन में क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास मंदिर डूब गए। राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कोटा, बारां और झालावाड़ के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग, चमोली समेत कई जिलों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई हैं। बद्रीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर लगातार पत्थर गिरे थे। सुरक्षा के चलते केदारनाथ यात्रा रोक दी गई थी।

राजस्थान में तेज हवा के साथ झमाझम बारिश

बिहार में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में तेज हवा चलेगी। राजस्थान में 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में हीटवेव जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहेगा। शुक्रवार को खंडवा और हरदा में भारी बारिश का रेड अलर्ट है जबकि धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, बुरहानपुर और बैतूल में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक पानी गिरने का अनुमान है।

मानसून 3 दिन देरी से आया, पूरा देश कवर करेगा

मानसून ने 1 जून की जगह 3 दिन लेट 4 जून को भारत में एंट्री ली थी। इस दौरान कई राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई थी। बीच-बीच में ब्रेक मानसून जैसी स्थिति बनने से यह आशंका जताई जाने लगी थी कि इस बार मानसून पूरे देश को सामान्य समय से देर से कवर करेगा। हालांकि, जुलाई की शुरुआत में बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्र और अनुकूल परिस्थितियों के कारण मानसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली। मौसम विभाग के अनुसार, 5 जुलाई तक मानसून के पूरे देश को कवर करने की संभावना है, जबकि इसका सामान्य समय 8 जुलाई माना जाता है। यानी शुरुआती सुस्ती के बावजूद मानसून अपनी सामान्य प्रगति के करीब पहुंच गया है। हाल ही में मौसम विभाग ने बताया था कि अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के शेष हिस्सों में भी मानसून तेजी से आगे बढ़ेगा।

जेल जा सकते हैं चंपत राय और अनिल मिश्रा!

- विनय कटियार बोले-राम मंदिर चोरी पर रात 2 बजे पीएम मोदी से बात हुई

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा नेता विनय कटियार ने शुक्रवार को कहा कि यह साफ है कि पैसों का गबन हुआ है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और आमंत्रित ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव किसी कारण से बच गए, जेल नहीं गए। हो सकता है कि आगे जेल जाएं। उन्होंने

अयोध्या में न्यूज एजेंसी से कहा- मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रात 2 बजे बात हुई। पीएम ने पूछा- अरे भाई, क्या-क्या होगा अब। मैंने उसने कहा- कुछ नहीं, सब ठीक हो जाएगा। इधर, स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम दूसरे दिन जांच के लिए मंदिर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, टीम गोपाल राव से पूछताछ कर रही है। वहीं, आरोपी अविनाश शुक्ला को पुलिस ने 24 घंटे की कस्टडी में ले लिया है। पुलिस शुक्रवार सुबह 9 बजे अयोध्या जेल पहुंची। वहां से अविनाश को लेकर पुलिस लाइन आई। 2 घंटे कड़ी पूछताछ की। फिर उसे लेकर प्रतापगढ़ रवाना हो गई।

हल्द्वानी–रामनगर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, एक युवक की मौत

नैनीताल। महिला गंभीरहल्द्वानी–रामनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कालाढूंगी के निकट गेबुआ क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायल महिला को उपचार के लिए रामनगर अस्पताल भिजवाया।

बेलपड़ाव चौकी प्रभारी राजवीर सिंह नेगी ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे पदमपुर डोलिया निवासी कमलेश आर्य (32) पुत्र गोपाल राम अपनी बाइक (यूके04 सीजी 5767) से कमोला निवासी बसंती थापा के साथ कालाढूंगी की ओर आ रहे थे। इसी दौरान कालाढूंगी की ओर से जा रहे डंपर (यूके04 सीसी 5918) से उनकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों को रामनगर अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने कमलेश आर्य को मृत घोषित कर दिया, जबकि बसंती थापा का उपचार जारी है।

सरकारी कामकाज को लेकर ऐक्शन में थलपति विजय

- विभागवार समीक्षा बैठक कर अधिकारियों से मांगा प्लान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय सरकार के कामकाज को लेकर एक्शन मोड में हैं। सीएम विजय ने विभाग-वार समीक्षा बैठकों की एक बड़ी सीरीज शुरू की है। इसका मकसद शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म गवर्नेंस रणनीतियां

तैयार करना है। अधिकारियों को हर विभाग के लिए एक साल, तीन साल और पांच साल के व्यापक ऐक्शन प्लान बनाने का काम सौंपा गया है। 22 जुलाई तक चलने वाली इस समीक्षा प्रक्रिया में मुख्य सरकारी विभागों के कामकाज का आकलन करने, लागू करने में आने वाली चुनौतियों की पहचान करने और आने वाले वर्षों में सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने के लिए मापने योग्य लक्ष्य तय करने की उम्मीद है।

सोनम रघुवंशी की जमानत पर नहीं लग पाई है रोक

- सुप्रीम कोर्ट बोला-टाइपिंग की गलती को बनाया आधार

न्यायालय ने कहा-रिहाई न हुई होती तो बेल रद्द कर देते

इंदौर/नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा- हमें हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ आपत्तियां हैं लेकिन सोनम जेल से बाहर आ चुकी है, इसलिए हम उसकी जमानत पर रोक नहीं लगाएंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने मेघालय सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी कर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी गई है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की।

सॉलिसिटर जनरल बोले- टाइपिंग की गलती से बदली धारा- सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कोर्ट के सामने कहा- गिरफ्तारी से जुड़े दस्तावेजों में हत्या से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) की जगह गलती से धारा 403(1) लिख दी गई थी। यह टाइपो एरर है। हाईकोर्ट ने इसी आधार पर जमानत दी है। मजिस्ट्रेट ने आरोपी को गिरफ्तारी के आधार समझाए थे। ट्रांजिट रिमांड देते समय भी इसका रिकॉर्ड मौजूद है। उन्होंने कहा- पहले इसी मामले में जमानत मेरिट के आधार पर खारिज हो चुकी थी। बाद में इस तकनीकी गलती को आधार बनाकर राहत दे दी।

कोर्ट ने पूछा- गलत धारा लिखने के कारण जमानत देना सही

जस्टिस सुंदरेश ने सोनम की तरफ से पेश वकील से पूछा कि गिरफ्तारी के आधार पहले ही बताए जा चुके थे। शुरुआती जमानत याचिकाओं में यह मुद्दा कभी नहीं उठाया गया। फिर अचानक इसी तकनीकी आधार पर जमानत कैसे मांगी गई। क्या केवल गलत धारा लिखे जाने के कारण हाईकोर्ट का जमानत देना सही फैसला था। इस पर सोनम के वकील ने दावा किया कि सोनम को कभी गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए। तब जस्टिस सुंदरेश ने कहा- यदि ऐसा था तो यह आपत्ति पहले क्यों नहीं उठाई गई। कोर्ट ने कहा- अगर सोनम रिहा नहीं हुई होती तो हम जमानत पर रोक लगा देते। यदि आवश्यक है तो राज्य सरकार कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

अमरनाथ यात्रा शुरू, पहले दिन 9 हजार ने किया दर्शन

हर 2 किमी पर ऑक्सीजन बूथ, बालटाल रूट पर 12 जगह वाटरप्रूफ डोम बनाए

जम्मू (एजेंसी) 57 दिन की अमरनाथ यात्रा शुक्रवार से शुरू हो गई। यात्रा का पहला जत्था गांदरबल जिले के बालटाल और अनंतनाग जिले के पहलगाम (नुनवान) बेस कैंप से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 4,822 श्रद्धालु शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु गुरुवार को बेस कैंप में पहुंचे थे। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के मुताबिक, पहले जत्थे के श्रद्धालुओं के साथ जवान और अन्य व्यवस्थाओं में लगे लोग मिलाकर कुल 9 हजार लोगों ने दर्शन किया। यात्रा मार्ग पर हर 2 किलोमीटर पर

ऑक्सीजन बूथ बनाए गए हैं। दोमेल रूट पर चार जगह बड़ी स्क्रीन के जरिए मौसम की जानकारी दी जा रही है। बालटाल रूट पर 12 जगह वाटरप्रूफ डोम बनाए गए हैं। अमरनाथ यात्रा दो रास्तों से की जाती है। पारंपरिक रास्ता 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम से है। दूसरा रास्ता गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल से है।

दूसरा जत्था आज सुबह रवाना होगा- अमरनाथ यात्रा के दूसरे जत्थे के 3,865 श्रद्धालु शुक्रवार देर शाम कश्मीर पहुंचेंगे। इनमें 1,735 श्रद्धालु 115 वाहनों से बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं, जबकि 2,130 श्रद्धालु 86 वाहनों से पारंपरिक पहलगाम मार्ग की ओर रवाना हुए। शनिवार सुबह 3,865 श्रद्धालुओं को बालटाल और नुनवान-पहलगाम बेस कैंपों से पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना किया जाएगा। कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं को दर्शन के बाद तुरंत नीचे लौटने की सलाह दी गई है।

दोनों रूट पर 100-100 बेड के अस्पताल

दोनों यात्रा मार्गों पर एक हजार डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी तैनात हैं। दोनों जगह 100-100 बेड के अत्याधुनिक अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। बालटाल (गांदरबल): यात्रा करते वक्त तबीयत बिगड़ती है तो सबसे पहले डोमेल गेट के पास ही 'मेडिकल एड सेंटर' है। फिर रेलपथरी पर इमरजेंसी मेडिकल सहायता केंद्र है। बरारी पर मेडिकल कैंप और ऑक्सीजन मिल जाएगी। फिर संगम टॉप पर आपातकालीन चिकित्सा केंद्र है। नुनवान (पहलगाम): नुनवान बेस कैंप पर बड़ा मेडिकल अस्पताल है। चंदनवाड़ी में 100 बिस्तर का मुख्य बेस अस्पताल बनाया गया है। चढ़ाई से पहले यहां जांच करा सकते हैं। पिस्सू टॉप पर भी मेडिकल एड सेंटर है। फिर शेषनाग कैंप में रात्रि विश्राम पड़ाव पर बेस अस्पताल बनाया गया है।

एक नजर

आज आईडीपीएल मैदान में मिलेंगे अधिकांश विशेषज्ञ

ऋषिकेश। आज आप राजकीय उपजिला चिकित्सालय में किसी विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने की योजना बना रहे हैं, तो ठहर जाएं। शनिवार को अस्पताल के अधिकांश विशेषज्ञ चिकित्सकों की ड्यूटी आईडीपीएल मैदान में आयोजित होने वाले बहुउद्देशीय स्वास्थ्य शिविर में लगाई गई है। ऐसे में अस्पताल की कई विशेषज्ञ ओपीडी सेवाएं पूरे दिन प्रभावित रहेंगी।

जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम के सेवा पखवाड़ा के तहत शनिवार को आईडीपीएल मैदान में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राज्यपाल ले. जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद रहेंगे। शिविर में विभागों के स्टॉलों के साथ ही स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें राजकीय उपजिला चिकित्सालय के फिजिशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ (ऑर्थोपेडिक), नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ तथा फिजियोथेरेपिस्ट सहित कई विशेषज्ञ चिकित्सक स्वास्थ्य शिविर में अपनी सेवाएं देंगे।

इसके चलते शनिवार को इन विभागों की नियमित ओपीडी राजकीय उपजिला चिकित्सालय में संचालित नहीं होगी। ऐसी स्थिति में जिन मरीजों को इन विशेषज्ञों से उपचार या परामर्श की आवश्यकता है, उन्हें अस्पताल आने के बजाय सीधे आईडीपीएल मैदान पहुंचने में ही फायदा है। वहां आयोजित बहुउद्देशीय स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच, परामर्श और आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

वेतन के लिए कर्मचारियों का धरना जारी

ऋषिकेश। दो महीने के वेतन जारी करने की मांग को लेकर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की ओर से दूसरे दिन भी धरना जारी रहा। कर्मचारियों ने कहा कि जब तक वेतन जारी नहीं होता तब तक धरना जारी रहेगा। वेतन जारी न होने की दशा में बसों का संचालन ठप किया जा सकता है। बृहस्पतिवार से रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के बैनर तले रोडवेज कर्मचारियों ने दूसरे दिन हड़ताल जारी रखी। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के ऋषिकेश शाखा मंत्री आकाश गुप्ता ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान रोडवेज को अतिरिक्त लाभ हुआ है लेकिन बजट होने के बावजूद कर्मचारियों को दो महीने का वेतन जारी नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि नियमित वेतन न मिलने से कर्मचारियों के सामने परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो गया है। डिपो के 110 कर्मचारी वेतन के लिए अधिकारियों को फोन कर रहे हैं लेकिन आश्वासन ही मिल रहा है। शुक्रवार सुबह वेतन को लेकर उनकी डिपो के सहायक महाप्रबंधक के साथ वार्ता हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

गिनीज बुक में एम्स ऋषिकेश का नाम दर्ज

ऋषिकेश। एम्स के चिकित्सकों ने दुनिया के अब तक के सबसे अधिक वजनी 35 किलोग्राम के बोन ट्यूमर की सफल सर्जरी कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है।9 जून 2025 को संस्थान के शल्य चिकित्सकों की टीम ने एक 27 वर्षीय व्यक्ति के बाएं पैर की जांघ से लगभग 35 किलोग्राम के भारी ट्यूमर को सर्जरी की मदद से हटाने में सफलता हासिल की थी। टीम में हड्डी रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. मोहित धींगरा, सीटीवीएस विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. अंशुमान दरबारी एवं बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग की प्रोफेसर डॉ. मधुवरी वाथुल्या शामिल रही। संस्थान की ओर से इस सबसे अधिक वजनी ट्यूमर की सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिए जाने के बाद चिकित्सकीय दल की इस उपलब्धि से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस प्रकाशन को अवगत कराया गया था। जिसके बाद इंग्लैंड, लंदन से प्रकाशित गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस की ओर से इस जानकारी का संज्ञान लिया गया और अपने स्तर से परीक्षण किया गया।

शराब पीने व पिलाने वाले 50 लोगों का चालान

रायवाला। कोतवाली पुलिस ने अवैध रूप से शराब परोसने वाले होटल मालिकों पर शिकंजा कस दिया है। यहां होटलों में खुलेआम शराब पिलाई जा रही थी। होटल बार की तरह संचालित किए जा रहे थे। पुलिस ने तीन दिन में करीब 50 लोगों का चालान काटा। सार्वजनिक स्थानों, नदी किनारे बैठकर शराब पीने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। रायवाला कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक केके लुंठी ने बताया कि अवैध रूप से शराब परोसने वाले होटल स्वामियों के खिलाफ टीम बनाकर अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों, नदी किनारे बैठकर शराब पीने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। बृहस्पतिवार शाम को पुलिस टीम ने होटल ढाबों में अभियान चलाया। इस दौरान 13 लोगों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने ओशी, जितेंद्र सिंह, प्रमोद सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, सुरेंद्र राणा, अर्जुन, संदीप भट्ट, किशन, शिव कुमार, अंकुर, अनिल, लक्ष्मण, मनीष के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। 3750 रुपये का राजस्व भी वसूला गया।

हिमाचल में बाघ के लिए कैमरा ट्रैप लगाया

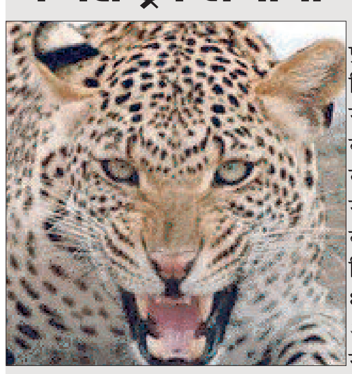

देहरादून। हिमाचल प्रदेश में बाघ की निगरानी के लिए लगाए गए कैमरा ट्रैप में तेंदुए की तस्वीर कैद होने से वन विभाग सतर्क हो गया है। इस घटनाक्रम के बाद राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक ने क्षेत्र का दौरा किया और टीम ने पांवटा साहिब वन प्रभाग में भी कैमरा ट्रैप लगाए। राजाजी टाइगर रिजर्व के माध्यम से भी हिमाचल के पांवटा साहिब वन मंडल में बाघ को लेकर कैमरा ट्रैप लगाया गया था, उसमें फिलहाल तेंदुए का फोटो कैप्चर हुआ है। अब राजाजी टाइगर रिजर्व की टीम दूसरे स्थानों पर कैमरा ट्रैप को लगाएगी। यहां पर जल्द ही राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक दौरा कर सकते हैं। पांवटा साहिब वन मंडल में 10 जून को एक फोटो में बाघ के होने का पता चला था, पर फोटो बहुत साफ नहीं था। इसके बाद जंगल में बाघ की उपस्थिति के अन्य प्रमाण मिले थे। माना जा रहा है कि पांवटा साहिब वन मंडल में बाघ राजाजी जी टाइगर रिजर्व से पहुंचा है। ऐसे में यहां की टीम भी हिमाचल वन विभाग के साथ संपर्क में है, साथ ही सहयोग करने के लिए भी बीते हिमाचल गई थी। टीम ने बाघ की उपस्थिति को पता करने के लिए कैमरा ट्रैप लगाए थे। दस दिन पहले लगे कैमरा ट्रैप को खोला गया, तो उसमें तेंदुए का फोटो कैप्चर हुआ है। पांवटा साहिब वन प्रभाग के एसीएफ आदित्य बताते हैं कि छह कैमरा ट्रैप लगाए गए थे, अब इनकी संख्या को बढ़ाने के साथ अन्य जगहों पर भी लगाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने 187 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस मुख्य परीक्षा-2024 में चयनित 182 अभ्यर्थियों तथा कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग में वैयक्तिक सहायक के पद पर चयनित 5 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईमानदारी और निष्पक्षता से कार्य करने वाले प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी के साथ राज्य सरकार पूरी मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त होकर संविधान, कानून और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नियुक्ति पत्र केवल सरकारी सेवा में प्रवेश का दस्तावेज नहीं, बल्कि सवा करोड़ उत्तराखंडवासियों के विश्वास, अपेक्षाओं और जनसेवा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक अधिकारी की पहचान उसके पद से नहीं, बल्कि उसकी कार्यशैली, संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति समर्पण से होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड पीसीएस मुख्य परीक्षा-2024 के लिए लगभग डेढ़ लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था तथा 71 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से केवल 182 अभ्यर्थियों का चयन

हुआ। उन्होंने कहा कि यह सफलता चयनित अभ्यर्थियों की प्रतिभा, कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने नवचयनित अधिकारियों का आह्वान किया कि वे समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ पहुंचाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, रामसिंह कैड़ा, विधायक सविता कपूर, गोरखा कल्याण परिषद की अध्यक्ष ज्योति कोटिया, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, दिलीप जावलकर, रविनाथ रमन, चंद्रेश कुमार, बृजेश कुमार संत, विनय शंकर पांडेय, एस.एन. पाण्डेय, डीजी होमगार्ड डॉ. पी. वी. के प्रसाद, डीजी अभिसूचना एवं सुरक्षा अभिनव कुमार, एडीजी डॉ. वी. मुरुगेशन, अपर सचिव नवनीत पाण्डेय आदि मौजूद थे।

डालनवाला में युवक पर तलवार–खुखरी से जानलेवा हमला

देहरादून । डालनवाला में एक युवक पर तलवार, खुखरी, लाठी और बेसबॉल के डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

वहीं, कोतवाली डालनवाला पुलिस ने रिस्पना नदी ब्लॉक–2 निवासी प्रतीक कोरी की शिकायत पर संगम चौहान, रोहित त्यागी उर्फ खान, बबुवा तथा 10 से 15 अज्ञात युवकों के खिलाफ जानलेवा हमला, लूटपाट और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तहरीर के अनुसार, घटना 1 जुलाई की रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच की है। पीड़ित प्रतीक कोरी अपने बेटे को चक्कूवाला स्थित उसकी नानी के घर से लेने जा रहा था। आरोप है कि ईसी रोड स्थित आनंद भवन के पास पहले से घात लगाए बैठे संगम चौहान, रोहित त्यागी उर्फ खान, बबुवा और उनके साथ मौजूद 10 से 15 युवकों ने उस पर हमला कर दिया।

नहीं खुल पाईं आठ सड़कें, तीन हजार की आबादी प्रभावित

थराली। भारी बारिश के कारण थराली क्षेत्र में 16 सड़कें बंद हो गई थीं। शाम तक इनमें से आठ सड़कों को खोल दिया गया है। हालांकि अभी यहां आठ सड़कें बंद हैं जिससे तीन हजार से अधिक लोगों को आवागमन की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बंद हुई 16 सड़कों में से लोनिवि की सात और पीएमजीएसवाई की एक सड़क को यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है। पीएमजीएसवाई की दो और एनपीसीसी की पांच सड़कें अभी बंद हैं। लोनिवि की थराली–जूनीधार और नंदकेशरी–धरा सड़कों पर जेसीबी सड़क खोलने का काम कर रही है। हालांकि एनपीसीसी ने अपनी किसी भी सड़क पर अभी तक जेसीबी नहीं भेजी है। तलवाड़ी–सेरा–विजयपुर सड़क बंद होने से सेरा, असों, पंतनगरी, विजयपुर, लोढ़ा और तलवाड़ी खालसा के तीन हजार से अधिक लोग सड़क बंद होने से प्रभावित हैं। तलवाड़ी खालसा के प्रधान राहुल टमटा और अन्य ग्रामीणों ने जल्द सड़कों को खोलने की मांग की। लोनिवि के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि शनिवार तक सभी सड़कें आवाजाही के लिए खोल दी जाएंगी।

खाताधारकों के लिए राहत की खबर: मृत्यु दावों का एक दिन में होगा निपटारा

देहरादून।कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े खाताधारकों के लिए राहत भरी खबर है। अब मृतक कर्मचारियों के आश्रितों के क्लेम का निपटान एक ही दिन में किया जाएगा। इसके साथ ही सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भी उनके पीएफ का भुगतान एक दिन के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अलावा डिजिटल सिस्टम को सुदृढ़ बनाने के लिए सीआईटीईएस को लागू किया जा रहा है। शुक्रवार को अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त अजय ने क्षेत्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में करीब 9,744 अंशदायी प्रतिष्ठान और 7,74,377 सदस्य हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में सभी दावों का निपटान निर्धारित समय–सीमा के भीतर किया जा रहा है। क्षेत्रीय कार्यालय में स्थापित संवेदना सेल एक महत्वपूर्ण पहल है। यह सेल मृत्यु दावों के त्वरित, संवेदनशील और त्रुटिरहित निपटान के लिए बनाया गया है।

नलगांव डाकघर का दर्जा घटा, कुलसारी का बढ़ा

कर्णप्रयाग। थराली विधानसभा में दशकों से संचालित उप डाकघर नलगांव का डिमोशन कर दिया गया है। इसको अब ग्रामीण डाकघर बना दिया गया है जबकि कुलसारी ग्रामीण डाकघर का प्रमोशन करते हुए उप डाकघर बना दिया गया है। इस प्रक्रिया के पीछे का कारण कारोबार बताया जा रहा है। नारायणबगड़ विकासखंड के अंतर्गत नलगांव में वर्षों पुराना उप डाकघर कार्यरत था। डाक विभाग की मानें तो इस उप डाकघर के तहत विभागीय कारोबार नहीं बढ़ पा रहा था। यहां मानकों के अनुसार खातों की संख्या भी नहीं थी। जबकि इसके अंतर्गत कई ग्रामीण डाकघर जुड़े होने के बावजूद 600–700 के करीब ही खाते थे। वहीं कुलसारी ग्रामीण डाकघर में लगातार कारोबार की वृद्धि होने से इसको अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया। यहां 2 हजार से अधिक खाते हैं। चमोली जिले के डाक अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि विभागीय स्तर पर डाकघरों के कार्यों की समीक्षा की जा रही है। ऐसे में नलगांव उप डाकघर की रैंक घटाते हुए उसे ग्रामीण डाकघर और कुलसारी ग्रामीण डाकघर को अपग्रेड करते हुए उप डाकघर बना दिया गया है। नलगांव और कुलसारी में यथावत लोगों को डाकघर की सेवाओं का लाभ मिलता रहेगा।

पहले प्रेम जाल में फंसाया, फिर बनाया मां

रुद्रपुर । शहर में एक किशोरी के पेट में अचानक से दर्द हुआ। जब परिजन उसे रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में लेकर गए तो अल्ट्रासाउंड में किशोरी के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने किशोर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। रुद्रपुर निवासी महिला ने बताया कि उसकी 13 वर्षीय पुत्री है। कुछ माह पहले ट्रांजिट कैंप में रहने वाले 15 वर्षीय किशोर ने उसकी पुत्री को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद उससे शारीरिक संबंध बनाए। जिससे उसकी बेटी गर्भवती हो गई। बीते कुछ समय से उसकी बेटी की हालत खराब चल रही थी। इस पर उसे अस्पताल ले गए तो पता चला कि वह गर्भवती है। इस पर जब उन्होंने पुत्री से पूछताछ की तो उसने किशोर के संबंध की बात बताई।

महिला ने पुलिस से आरोपित पर कार्रवाई की मांग की है। सीओ विभव सैनी ने बताया कि किशोर पर पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है। किशोरी का मेडिकल कराया जा रहा है। किशोर को संरक्षण में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मुआवजे के भुगतान की मांग

गोपेश्वर। जोशीमठ–मलारी बाईपास के 31 किलोमीटर तक के चौड़ीकरण कार्य में भूमि अधिग्रहण और मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने की मांग के लिए बदरीनाथ के पूर्व विधायक राजेंद्र भंडारी व लोगों ने सीडीओ को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ीकरण में उनकी निजी भूमि को अधिग्रहित किया गया है लेकिन अभी तक उचित मुआवजा नहीं मिल पाया है। पूर्व विधायक ने कहा कि 2025 में सरकार की ओर से भूमि के मुआवजे के लिए बजट भी स्वीकृत किया था। इस मौके पर तारेंद्र प्रसाद, किशन सिंह रावत भी मौजूद रहे।

उर्गम सड़क कई जगहों पर बंद, 12 से अधिक गांवों का संपर्क कटा

ज्योतिर्मठ। बीते दिन क्षेत्र में हुई बारिश ने उर्गम घाटी को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क को कई जगह पर बाधित कर दिया। सड़क बंद होने से करीब 12 से अधिक गांवों का संपर्क कट गया है। लोगों को आवाजाही के लिए पैदल चलना पड़ रहा है।

बृहस्पतिवार देर रात को तेज बारिश होने से उर्गम घाटी की सड़क पावर हाउस के पास क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क के कुछ जगह पर मलबा आ गया है जबकि कुछ जगह सड़क पर कटाव होने से गड्ढे हो गए हैं। इससे घाटी के भेंटा, भरकी, अरोसी, ग्वाना, पिलखी, सलना, देवग्राम, बड़गिंडा सहित अन्य गांव प्रभावित हुए हैं। सड़क बंद होने से लोगों की आवाजाही ठप हो गई है। लोगों को पैदल जाना पड़ रहा है। स्थानीय लक्ष्मण सिंह नेगी ने बताया कि भारी बारिश से सड़क बंद हो गई है। प्रशासन को जल्द से जल्द सड़क बहाल करनी चाहिए। वहीं तहसीलदार महेंद्र सिंह ने बताया कि संबंधित विभाग को सड़क के बारे में अवगत करा दिया गया है। जल्द से जल्द मार्ग सुचारु करने के निर्देश दिए गए हैं।

राम मंदिर के बाद अब बदरीनाथ धाम में हेरफेर का आरोप

देहरादून। अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला सामने आने के बाद बदरीनाथ धाम में भी चढ़ावे और दान में कथित हेराफेरी का मामला सामने आया है। इस पर बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने जांच के आदेश दे दिए हैं। समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा है कि मंदिर समिति ने आरोपों को अत्यंत गंभीरता से लिया है। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और तथ्यपरक जांच होगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कौन करेगा जांच?

मंदिर समिति ने आरोपों की जांच के लिए समिति गठित करने के आदेश दे दिए हैं। इस मामले में स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है। जांच पूरी होने के बाद अगर कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है। बता दें कि 2025 में बदरीनाथ धाम में 51 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे।

सोशल मीडिया के दावों में किसका जिक्र?

समिति के अध्यक्ष ने कहा कि सोशल मीडिया पर जिस कर्मचारी को उनका निजी सचिव बताया जा रहा है, वह असल में उनका निजी सचिव नहीं है। वह बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति का नियमित सरकारी कर्मचारी है। वह वैयक्तिक सहायक के रूप में पूर्व में भी मंदिर समिति के तीन अध्यक्षों के साथ कार्य कर चुका है। सोशल मीडिया पर उसके संबंध में प्रसारित किए जा रहे आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भैरव सेना ने क्या कहा?

भैरव सेना संगठन ने बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष से जुड़े कर्मचारी पर आर्थिक हेराफेरी के गंभीर आरोप लगाए हैं। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भैरव सेना के संस्थापक अध्यक्ष संदीप खत्री ने शुक्रवार को बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) सोहन रांगड़ को ज्ञापन भेजकर आरोपों की जांच कराने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया है कि बदरीनाथ मंदिर से जुड़े वित्तीय मामलों में अनियमितता और आर्थिक हेराफेरी हुई है, जिसके लिए संबंधित कर्मचारी की भूमिका की जांच आवश्यक है। संगठन ने मामले में प्रशासनिक और विधिक कार्रवाई करने की भी मांग की है। हालांकि, संगठन की ओर से भेजे गए पत्र में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कथित आर्थिक हेराफेरी किस प्रकार की है और उसमें कितना नुकसान हुआ है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर नाराज हुईं मंत्री रेखा आर्या

देहरादून। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने एसआईआर के कार्य के कारण विभागीय कामकाज प्रभावित होने पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बीएलओ के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाने के साथ–साथ प्रतिदिन कम से कम एक घंटा अपने आंगनबाड़ी केंद्र पर विभागीय कार्यों का भी निस्तारण करें, ताकि योजनाओं के संचालन और ऑनलाइन डाटा फीडिंग में कोई बाधा न आए।

शुक्रवार को विधानसभा स्थित सभागार में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि विभाग की अधिकांश योजनाएं केंद्र सरकार से वित्तपोषित हैं और उनकी नियमित ऑनलाइन मॉनिटरिंग होती है। ऐसे में डाटा फीडिंग में लापरवाही से विभाग के भविष्य के बजट पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने विभागीय

सचिव को सभी जिलाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी करने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 438 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 2,773 सहायिकाओं के रिक्त पदों पर अगस्त माह के अंत तक नियुक्तियां पूरी कर ली जाएंगी, जिसके बाद प्रदेश में इन दोनों श्रेणियों के सभी पद भर जाएंगे।

घनसाली पहुंची कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा

देहरादून। कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा शुक्रवार को टिहरी जनपद के घनसाली विधानसभा क्षेत्र पहुंची, जहां उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी और पूर्व विधायक भीम लाल आर्य के नेतृत्व में जनसभा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने नेताओं का जोरदार स्वागत किया तथा बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति देखने को मिली। जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए महंगाई, बेरोजगारी, पलायन और विकास कार्यों में कथित उपेक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

एक नजर

तीन स्टाफ नर्सों ने ग्रहण किया कार्यभार

श्रीनगर गढ़वाल : उपजिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में शुक्रवार को तीन नई स्टाफ नर्सों ने विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। कुछ समय से अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ की कमी बनी हुई थी। अस्पताल कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कुछ समय पूर्व उपजिला चिकित्सालय से तीन स्टाफ नर्सों का तबादला देहरादून कर दिया गया था। इसके बाद अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ की कमी महसूस की जा रही थी। अब उनके स्थान पर तीन नई स्टाफ नर्सों की तैनाती की गई है, जिन्होंने शुक्रवार को विधिवत जॉइनिंग दे दी। (एजेंसी)

गंगोत्री हाईवे : सुरक्षात्मक कार्यों पर मंडराया खतरा

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर भटवाड़ी और चड़ेथी के बीच में बीआरओ की ओर से किए जा सुरक्षात्मक कार्यों व सड़क निर्माण पर स्थानीय लोगों ने सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि गंगा नदी के तेज प्रवाह से हो रहे कटाव के कारण ही भू–धंसाव होने के कारण सड़क पूरी तरह धंस गई थी। बीआरओ की ओर से नीचे से हो रहे कटाव को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए जबकि ऊपर करोड़ों की लागत से कार्य किए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस मानसून सीजन में दोबारा सड़क को खतरा बना हुआ है। गत वर्ष की आपदा के दौरान भटवाड़ी और चड़ेथी के बीच गंगा नदी से हो रहे कटाव के कारण हुए भू–धंसाव के कारण गंगोत्री हाईवे का करीब 100 मीटर से अधिक हिस्सा धंस गया था। साथ ही उसके ऊपर से भी भूस्खलन हुआ था। इस कारण कई दिन वहां पर आवाजाही बंद रही थी। स्थानीय निवासी विपिन राणा का कहना है कि उसके बाद से वहां पर आवाजाही में लगातार खतरा बना हुआ है।

स्थिति यह है कि पिछले माह भी वहां पर बोल्डर आने के कारण आवाजाही प्रभावित हुई थी। कहा कि बीआरओ की ओर से मई माह में वहां पर करोड़ों की लागत से सुरक्षात्मक कार्य शुरु किए गए लेकिन वहां पर भू–धंसाव अभी भी जारी है। बीआरओ की ओर सड़क के आसपास वाले क्षेत्र में सुरक्षात्मक कार्य किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी स्थिति रही तो इस बरसात में इस पर दोबारा भू–धंसाव होने से करोड़ों की लागत से किए जा रहे कार्यों को नुकसान होगा। पहले नदी किनारे से सुरक्षात्मक कार्य शुरू किए जाएं। डीएम प्रशांत आर्य का कहना है कि वहां पर बीआरओ को नदी डायवर्ट कर सुरक्षात्मक कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ सुरक्षा कार्यों के लिए अभी समय लगेगा।

भटवाड़ी में चल रहे आंदोलन को मिला मातृशक्ति का समर्थन

उत्तरकाशी। भटवाड़ी क्षेत्र की केवि की स्थापना, ऑल वेदर रोड का निर्माण व अधिकारी–कर्मचारी नियमित ब्लॉक में बैठने की मांग को लेकर ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों का आंदोलन लगातार उग्र होता जा रहा है। शुक्रवार को धरना–प्रदर्शन नौवें दिन भी जारी रहा। क्षेत्र की महिलाओं ने धरनास्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया। महिलाओं ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि जल्द समस्या हल नहीं हुई तो क्षेत्र में व्यापक जन आंदोलन छेड़ा जाएगा और सरकारी कार्यालयों में तालाबंदी की जाएगी। भटवाड़ी गांव में आयोजित धरने में बैठे लोगों ने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर लंबे समय से शासन और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बार–बार ज्ञापन देने, जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करने और प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता के बावजूद उनकी मांगें केवल आश्वासनों तक सीमित रह गई हैं। इससे क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है। कहा कि उनकी तीन प्रमुख मांगें हैं। पहली, भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की जाए ताकि क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूर–दराज़ न जाना पड़े। दूसरी, क्षेत्र में ऑल वेदर सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, जिससे वर्षभर सुरक्षित और सुगम यातायात उपलब्ध हो सके।

जाम लगने से मरीज और तीमारदार हो रहे परेशान

उत्तरकाशी। जिला अस्पताल में पार्किंग की अव्यवस्था मरीजों के लिए बड़ी दिक्कत खड़ी कर रहा है। अस्पताल परिसर में वर्षों से पार्किंग की समस्या बनी हुई है लेकिन अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। नतीजतन, रोजाना वाहनों का जाम लग रहा है और मरीजों के साथ उनके तीमारदारों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में पार्किंग की समस्या वर्षों पुरानी है। परिसर में वाहनों के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होने और व्यवस्थाओं की कमी के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन जाती है। इसका सबसे अधिक खामियाजा गंभीर मरीजों और आपातकालीन सेवाओं को भुगतना पड़ता है।

चिंता की बात यह भी है कि अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) के लिए भी अलग पार्किंग की व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में यूनिट शुरू होने के बाद मरीजों और वाहनों की संख्या बढ़ेगी, जिससे पार्किंग संकट और गंभीर होने की आशंका है। स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रशासन और संबंधित विभाग से पार्किंग की स्थायी व्यवस्था करने, एंबुलेंस के लिए अलग मार्ग सुनिश्चित करने और अस्पताल परिसर में यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की मांग की है।

भेटियारा गांव में भवन की छत पर लड़ते हुए पहुंचे दो गुलदार

उत्तरकाशी। बीती बृहस्पतिवार रात में भेटियारा गांव में एक भवन की छत पर दो गुलदार आपस में लड़ाई करते हुए पहुंच गए। एक साथ दो गुलदार देख ग्रामीण भयभीत हो गए। ग्रामीणों ने किसी प्रकार शोर मचाकर गुलदार को आवासीय बस्ती से भगाया लेकिन उसके बाद भी जंगल में उनकी आवाज आती रही। इसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पटाखे जलाकर गुलदार को भगाया। साथ ही वन विभाग की टीम गश्त कर रही है। भेटियार ग्राम प्रधान हिमांशु सहित नितिन नौटियाल ने बताया कि क्षेत्र में करीब एक माह से गुलदार का भय बना है। कुछ दिन पूर्व गांव में एक बछड़े पर गुलदार ने हमला कर दिया था।

55 साल बाद भी नहीं हुआ पुलिंडा का विस्थापन

हर बरसात में लौट आता है भय

दुगड्डा विकासखंड के पुलिंडा गांव के समीप भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र, जहां हर वर्ष बरसात के दौरान खतरा बढ़ जाता है।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुगड्डा विकासखंड का पुलिंडा गांव पिछले करीब 55 वर्षों से भूस्खलन की मार झेल रहा है, लेकिन आज तक इसके विस्थापन की योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। सरकारी स्तर पर कई बार सर्वे हुए, घोषणाएं हुईं और वैकल्पिक स्थान भी चिह्नित किए गए, लेकिन वन कानूनों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बीच मामला उलझकर रह गया। नतीजतन हर मानसून में ग्रामीण दहशत के साए में जीवन बिताने को मजबूर हैं।

वर्ष 1971 में पहली बार गांव बड़े भूस्खलन की चपेट में आया था। उस समय करीब 12 मकान जमींदोज हो गए थे, कई अन्य मकानों में दरारें आ गई थीं और गोशालाओं के ध्वस्त होने से पशुधन का भी नुकसान हुआ था। इसके बाद ग्रामीणों ने अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थानों पर नए मकान बनाए, लेकिन भूस्खलन का खतरा आज भी पूरी तरह टला नहीं है।

बरसात शुरू होते ही कई परिवार एहतियातन अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं। कभी डेढ़ सौ से अधिक परिवारों वाला पुलिंडा गांव अब पलायन के कारण सिमटकर 20 से 25 परिवारों तक रह गया है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से वे स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है।

वन भूमि बनी सबसे बड़ी बाधा

पुलिंडा के विस्थापन की कवायद वर्ष 1996 में शुरू हुई थी, जब भू-वैज्ञानिकों ने गांव को असुरक्षित मानते हुए अन्यत्र बसाने की संस्तुति की थी। वर्ष 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री के निर्देश पर गांव को लैंसडौन वन प्रभाग के पापीडांडा खाम में बसाने का प्रस्ताव तैयार हुआ और वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया भी शुरू की गई, लेकिन आरक्षित वन क्षेत्र होने के कारण योजना आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद अगस्त 2021 में भू-वैज्ञानिकों ने दोबारा सर्वे कर रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी।

इस सर्वे में पूरे गांव के बजाय केवल पांच परिवारों को अत्यधिक खतरे की जद में माना गया और उनके विस्थापन की संस्तुति की गई। हालांकि, पांच वर्ष बीतने के बाद भी इन परिवारों का पुनर्वास नहीं हो सका है।

रेलवे परियोजना का कार्य फिर से हुआ शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : स्थानीय युवाओं के विरोध के कारण बृहस्पतिवार दोपहर से श्रीनगर के जीआईटीआई, स्वीत व डुंगरीपंथ साइट पर बंद पड़ा रेलवे परियोजना का कार्य शुक्रवार को फिर शुरू हो गया। कंपनी प्रबंधन और स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता के बाद लिखित आश्वासन दिए जाने पर गतिरोध समाप्त हुआ। भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर जोशी के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं व व्यवसायियों ने कंपनी में रोजगार पर लगे युवाओं को हटाए जाने व कंपनी कार्यों के लिए किए गए सामान की खरीदारी का भुगतान न करने पर बृहस्पतिवार को रेलवे परियोजना का कार्य रोक दिया था। शुक्रवार को दोपहर एक बजे ऋत्विक कंपनी प्रबंधन की ओर कंपनी के एचआर हेड देवेंद्र सिंह तथा लायजन ऑफिसर रविंद्र ममगाई की ओर से लिखित सहमति पत्र दिया गया। इसके तहत परियोजना का कार्य पूरा होने पर संबंधित कर्मियों को कंपनी में एडजस्ट करने के साथ ही स्थानीय व्यवसायियों के बकाया भुगतान 8 और 9 जुलाई तक करने का आश्वासन दिया गया।

मोटाढाक आरक्षित वन में विद्यार्थियों ने किया पौधरोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वन महोत्सव के तहत द डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने मोटाढाक आरक्षित वन क्षेत्र में स्वदेशी प्रजातियों के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारी पृथ्वीराज ने विद्यार्थियों को वन संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में हर व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, क्योंकि इसके बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। इस अवसर पर देवरामपुर के ग्राम प्रधान सागर बड़ोला और तल्ला मोटाढाक के पार्षद दीपक पाठक ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान करते हुए पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताया। विद्यालय की प्रधानाचार्या नूतन बिष्ट ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सामाजिक एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति भी जागरूक बनाना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों को प्रकृति से जुड़कर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर देती हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

फरासू में धान की रोपाई को लेकर किसानों में उत्साह

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के वार्ड–2 फरासू में करीब छः साल बाद धान की रोपाई को लेकर फिर से पहले जैसा उत्साह देखने को मिला। शुक्रवार को विधि–विधान और देव पूजन के साथ धान की रोपाई शुरू हुई। लंबे समय तक सिंचाई नहर क्षतिग्रस्त रहने के कारण खेती प्रभावित रही, लेकिन नहर की मरम्मत होने के बाद अब खेतों तक पानी पहुंचने से किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई। सुबह से ही महिलाएं और पुरुष खेतों में रोपाई के कार्य में जुट गए।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले करीब छह वर्षों से बार–बार सिंचाई नहर के क्षतिग्रस्त होने के कारण समय पर धान की रोपाई नहीं हो पा रही थी। इस वर्ष नहर की मरम्मत होने से खेतों तक पर्याप्त पानी पहुंचा, जिससे समय पर रोपाई शुरू हो सकी। वार्ड पार्षद विजय कुमार चमोली ने बताया कि सिंचाई व्यवस्था बहाल होने से क्षेत्र में कृषि गतिविधियों को नई गति मिलेगी। शुक्रवार सुबह देव पूजन के बाद ग्रामीणों ने पारंपरिक तरीके से धान की रोपाई शुरू की।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने आई0टी0आई0 वायर मैन की परीक्षा सन् 2005-2007 नम्बर-169228 संस्थागत छात्र के रूप से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दुगड्डा गढ़वाल से उर्तीण की थी। मेरी उक्त आई0टी0आई0 वायर मैन की अंकतालिका वास्तव में कोटद्वार बाजार में दिनांक 14-06-2026 को कहीं गुम हो गयी है। जो काफी खोजने पर भी नहीं मिली।

मनोज कुमार पुत्र स्व0 चण्डी प्रसाद निवासी सिद्धबली कॉलोनी, बलभद्रपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0546/21)

मूल निवास सहित अन्य मुद्दों पर मंच ने सरकार को घेरा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नागरिक मंच की बैठक में प्रदेश सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए उत्तराखंड के मूल निवासियों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। वक्ताओं ने कहा कि राज्य में नगर निगमों के विस्तार और मूल निवास से जुड़े मुद्दों पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए।

व्यापार मंडल सभागार में चंद्रप्रकाश नैथानी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नगर निगम क्षेत्रों में भू-कानून लागू नहीं होता। ऐसे में पर्वतीय क्षेत्रों में नगर निगमों का विस्तार स्थानीय लोगों के हितों के विपरीत है। उनका कहना था कि प्रदेश की कम आबादी के बावजूद नगर निगमों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है, जिससे भविष्य में बाहरी लोगों को लाभ मिलने की आशंका है। बैठक में उत्तराखंड में 15 वर्ष से निवास कर रहे लोगों को विशेष कार्ड जारी करने के प्रस्ताव का भी विरोध किया गया। वक्ताओं ने कहा कि राज्य में स्थायी निवास प्रमाण पत्र के स्थान पर मूल निवास प्रमाण पत्र की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, जिससे राज्य के मूल निवासियों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। बैठक में मोटर नगर परियोजना का मुद्दा भी उठाया गया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि परियोजना में अनियमितताओं के बावजूद नगर निगम की ओर से जांच रिपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण तथ्य में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत नहीं किए गए, जिसके चलते फैसला ठेकेदार के पक्ष में गया। उनका कहना था कि नगर निगम को निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी। वक्ताओं ने यह भी कहा कि हाल ही में नागरिक मंच का प्रतिनिधिमंडल विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर नगर आयुक्त से मिला था, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने नगर आयुक्त के रवैये पर नाराजगी जताते हुए इसे जनहित के अनुरूप नहीं बताया। बैठक में मुजीब नैथानी, अतुल भट्ट, देवव्रत काला, गोविंद डंडरियाल, केसीराम निराला, सत्यनारायण नौटियाल, शंकरदत्त गौड़, जेपी ध्यानी, विजय माहेश्वरी, आर.पी. पंत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यालयों के विलय के विरोध में शिक्षक संघ ने खोला मोर्चा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय शिक्षक संघ ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आमसौड़ और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) दुगड्डा के प्रस्तावित विलय का विरोध तेज कर दिया है। जिला कार्यकारिणी ने इस संबंध में प्रांतीय नेतृत्व को पत्र भेजकर दोनों विद्यालयों को पूर्ववत संचालित रखने की मांग उठाई है। जिलाध्यक्ष भवान सिंह नेगी और जिला मंत्री बिजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि आमसौड़ विद्यालय में 51 तथा जीजीआईसी दुगड्डा में 50 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इसके बावजूद दोनों विद्यालयों का राजकीय इंटर कॉलेज दुगड्डा में विलय कर विद्यार्थियों को आठ से दस किलोमीटर दूर पढ़ाई के लिए भेजना उचित नहीं है। उनका कहना है कि इससे छात्र-छात्राओं का समय और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि आमसौड़ विद्यालय में जमरगड्डी, झवाणा, सुनार गांव और आमसौड़ के बच्चे पढ़ने आते हैं। विद्यालय के विलय की स्थिति में इन विद्यार्थियों को प्रतिदिन लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। बरसात के मौसम में दुगड्डा-कोटद्वार मार्ग पर भूस्खलन और पहाड़ियों से बोल्डर गिरने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा क्षेत्र में हाथी और गुलदार की सक्रियता भी बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शिक्षक संघ ने कहा कि जब विद्यालयों में पर्याप्त छात्र संख्या मौजूद है तो उन्हें बंद कर दूसरे विद्यालय में विलय करने का औचित्य समझ से परे है। संघ ने शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के उस बयान का भी हवाला दिया, जिसमें पर्याप्त छात्र संख्या वाले विद्यालयों को बंद नहीं किए जाने की बात कही गई थी। संघ ने सरकार से विलय के निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए दोनों विद्यालयों का संचालन पूर्ववत रखने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि निर्णय वापस नहीं लिया गया तो शिक्षक संघ आंदोलन करने को बाध्य होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पत्नी का सही नाम मीनाक्षी जदली (MEENAKASHI JADLI) है। जैसा मेरी पत्नी के पेन कार्ड, आधार कार्ड में दर्ज है। मेरे सर्विस अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम मीनाक्षी द्विवेदी (MEENAKASHI DWIVEDI) दर्ज है। मीनाक्षी जदली (MEENAKASHI JADLI) तथा मीनाक्षी द्विवेदी (MEENAKASHI DWIVEDI) स्वयं मेरी पत्नी के अलग-अलग नाम दर्ज हो गये हैं। उक्त दोनों नामों की अलग-अलग महिला नहीं हैं। मेरे/मेरी पत्नी के समस्त सरकारी / गैर सरकारी अभिलेखों में मेरी पत्नी के भिन्न-भिन्न नामों को मीनाक्षी जदली (MEENAKASHI JADLI) पढ़ा व लिखा जाय।

नं0- 18002685X रैंक- Hav मनोज कुमार पुत्र स्व0 चण्डी प्रसाद निवासी ग्राम मेरूडा, पोस्ट ढौंटियाल, तहसील लैन्सडाउन, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, पिन कोड- 246155।

(0547/21)

समाज को वनों के प्रति अपनी सोच बदलने की आवश्यकता

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : द हंस फाउंडेशन द्वारा संचालित वनाग्नि शमन एवं रोकथाम परियोजना के अंतर्गत चयनित वॉलंटियर फायर फाइटर्स, हंस वन अग्नि प्रबंधन समितियों एवं समिति सदस्यों द्वारा वन विभाग के निर्देशन में चीड़ (पिरूल) की पत्तियों के एकत्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। इस पहल से एक ओर ग्रामीणों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जंगलों में एकत्रित अतिरिक्त ज्वलनशील पदार्थ (फ्यूल एवं बायोमास) को कम कर वनाग्नि की घटनाओं पर नियंत्रण करने में भी सहायता मिल रही है। यह कार्य ग्रामीणों की आजीविका सुदृढ़ करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। वर्तमान में विकासखंड जयहरीखाल की ग्राम पंचायतों पल्ली गांव, ओड़ल, खुन्डोली, कोटा मल्ला, कांडई, चिनवाड़ी, टसीला, पोखरी, पाली मल्ली एवं पाली तल्ली सहित अन्य क्षेत्रों में समिति सदस्यों एवं ग्रामवासियों द्वारा पिरूल संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। अब तक लगभग 76.265 टन (76,265 किलोग्राम) पिरूल का संग्रहण किया जा चुका है, जिसे एम.एस. एग्रो वेस्ट मैनेजमेंट, सेलाकुई के सतपुली स्थित डंपिंग क्षेत्र में भंडारित किया जा रहा है। द हंस फाउंडेशन के वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक पुरुषोत्तम प्रसाद थपलियाल ने महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा संचालित ‎"पिरूल लाओ, पैसे पाओ" योजना महिलाओं की आजीविका को सुदृढ़ बनाने तथा उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर परियोजना के एस.एम.ई. संजय बजवाल ने कहा कि समाज को वनों के प्रति अपनी सोच बदलने की आवश्यकता है। कहा कि वन न केवल हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं, बल्कि आजीविका, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए वनों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। द हंस फाउंडेशन की ओर से रेखा देवी, ममता देवी, रुचि देवी, वन विभाग के वन क्षेत्राधिकारी श्री बहुगुणा, कुलदीप, वन दरोगा रमेश गुसाईं, राकेश बेदवाल की निगरानी एवं मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक संचालित किया जा रहा है।

9 जुलाई से शुरू होगा बीज बम अभियान सप्ताह

श्रीनगर गढ़वाल : प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला बीज बम अभियान सप्ताह इस बार 9 से 15 जुलाई तक मनाया जाएगा। अभियान का औपचारिक शुभारंभ 9 जुलाई वन मंत्री सुबोध उनियाल की ओर से उनके शासकीय आवास, यमुना कॉलोनी, देहरादून में किया जाएगा। अभियान से जुड़े गढ़वाल विवि के डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय एवं विभागाध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग प्रो. एचबीएस चौहान तथा पर्वतीय विकास शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डा. अरविंद दरमोड़ा ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि बीज बम अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को जनसामान्य से जोड़ना और वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष को कम करने में सहयोग देना है। बीज बम अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने बताया कि आज बीज बम अभियान एक जनआंदोलन का स्वरूप ले रहा है। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र जयेन्द्र रावत मेरे कहने सुनने में नहीं है। वह हर प्रकार का नशा करता है। मेरा पुत्र जयेन्द्र रावत का चाल चलन सही नहीं है तथा वह अक्सर लड़ाई झगड़ा करता रहता है एवं पूरे घर में शांतिभंग करके रखता है। मैं अपने पुत्र जयेन्द्र रावत को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं, आज से मेरा व मेरे परिवार के सदस्यों का उससे कोई सम्बन्ध नहीं है। आज की तिथि के बाद का लेन-देन, लड़ाई-झगड़ा का उत्तरदायी वह स्वयं होगा। मेरा एवं मेरे परिवार का जयेन्द्र रावत से कोई वास्ता नहीं है। मैं आज से जयेन्द्र रावत से सम्बन्ध विच्छेद करता हूं।

दिलवर सिंह पुत्र स्व0 बुद्धि सिंह निवासी शिब्बूनगर, वार्ड नंबर-23, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0545/21)

21 अगस्त से शुरू होगी विशेष लोक अदालत

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रुद्रप्रयाग की सचिव पायल सिंह ने जनपद वासियों से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रारम्भ किए गए समाधान समारोहः 2026 का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस विशेष पहल का उद्देश्य न्याय को सरल, सुलभ एवं त्वरित बनाते हुए आपसी सहमति एवं सुलह के माध्यम से विवादों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

सचिव ने बताया कि 21 अप्रैल, 2026 को नालसा द्वारा समाधान समारोह : 2026 का शुभारम्भ किया गया है। इसके अंतर्गत 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन से पूर्व राज्य, जिला एवं तहसील विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा प्री-लिटिगेशन (पूर्व वाद) सुलह वार्ताओं का आयोजन किया जा रहा है, ताकि ऐसे विवाद, जिनका समाधान आपसी सहमति से संभव है, उन्हें न्यायालय में लंबी सुनवाई से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सचिव पायल सिंह ने कहा कि लोक अदालत विवादों के निस्तारण का एक सरल, त्वरित एवं कम खर्चीला माध्यम है। इसमें दोनों पक्षों की स्वैच्छिक सहमति से विवादों का अंतिम समाधान किया जाता है। साथ ही, न्यायालय में जमा कोर्ट फीस नियमानुसार वापस कर दी जाती है तथा पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध भी बने रहते हैं। उन्होंने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की कि जिनके दीवानी, वैवाहिक, बैंक ऋण, विद्युत, जल, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, चेक अनादरण (जहां समझौता संभव हो) अथवा अन्य समझौता योग्य विवाद लंबित हैं ।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

ई–निविदा विस्तार सूचना

इस खण्ड द्वारा पूर्व में आमन्त्रित **ई–निविदा सं0 01/EDDN/2026–27** के निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि अपरिहार्य कारणवश दिनांक 07.07.2026 को 10.00 बजे तक बढ़ायी जाती है तथा ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 07.07.2026 को 14.30 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं ई–निविदा प्रपत्र ऑनलाइन और ऑफलाइन निविदा भाग एक खुलने की तिथि 07.07.2026 को समय 15.00 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य शर्ते पूर्ववत है।

पत्रांक : 443/विविख(नै)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 03.07.2026

अधिशासी अभियन्ता,
वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संपादकीय

विजय गाथा का अपमान

उत्तराखंड के इतिहास की गौरव गाथा में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली का नाम बेहद सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाता है लेकिन अभी हाल ही में उन पर ऐसा बयान दिया गया जिससे पूरे उत्तराखंड में नाराजगी है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसी बातें हमारे सामने आ रही हैं जिनका या तो कोई आधार नहीं है या फिर सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसे बयान दिए जा रहे हैं। चंद्र सिंह गढ़वाली ना केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे देश के गौरव हैं और पूरा देश उनको पेशावर कांड का नायक मानती है और ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी के बारे में अनाप शनाप वही व्यक्ति बोल सकता है जिसकी मानसिकता उस विचारधारा से प्रभावित हो जिन्होंने देश के स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान ना दिया हो और उल्टा अंग्रेजों के पक्ष में देश के खिलाफ खड़े रहे हों और अंग्रेजों के लिए मुखबिरी की हो। उत्तराखंड में यह अजीब स्थिति है कि खुद सत्तारूढ़ दल के विधायक ही उत्तराखंड के एक ऐसे सम्मानित और गौरव के प्रति व्यक्ति के बारे में अनार का टिप्पणी कर रहे हैं। भाजपा के लैंसडौन विधायक दिलीप रावत द्वारा वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के बारे में की गई अनादर टिप्पणी वर्तमान संगठन एवं प्रदेश की जनता नाराज है, लेकिन भाजपा संगठन की ओर से अभी इस संबंध में कोई ऐसी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है जिसमें इस प्रकार के बयान को लेकर अपने विधायक के खिलाफ कार्रवाई करने जैसा कोई कदम उठा रहे हो। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली देश के उन बिरले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में से हैं जिन्होंने देश की खातिर महात्मा गांधी व पंडित जवाहर लाल नेहरू के बराबर जेल में दिन बिताए। २३ अप्रैल १९३० को रॉयल गढ़वाल राइफल्स के हवलदार मेजर चंद्र सिंह गढ़वाली के नेतृत्व में पेशावर में सीमांत गांधी की गिरफ्तारी का विरोध करने चारसद्दा में हजारों पठान सड़कों पर उतर आए और जिस जेल में खान अब्दुल गफ्फार खान को जेल में बंद किया गया था उस जेल को घेर लिया। आजादी के लिए प्रदर्शन करने वाले पठानों के जुलूस को रोकने के लिए अंग्रेजी हुकूमत द्वारा रॉयल गढ़वाल राइफल्स को भी तैनात किया गया था, अंग्रेज अफसर रिकेट्स ऑर्डर दिया गढ़वाली थ्री राउंड फायर और चंद्र सिंह गढ़वाली ने तुरंत आदेश दिया गढ़वाली सीज़ फायर और रॉयल गढ़वाल राइफल्स के सैनिकों ने अपनी संगीनें नीचे कर दीं और फायर नहीं किया जिससे अंग्रेज़ी हुकूमत हिल गई। अंग्रेज सैनिकों की टुकड़ी को बुलाया गया और निहत्थे पठानों पर गोलियां बरसाई गईं और हवलदार मेजर चंद्र सिंह गढ़वाली और उनके साथियों का कोर्ट मार्शल कर गिरफ्तार किया गया और गढ़वाली जी को आजीवन कारावास की सजा हुई। वे इटावाह, बरेली व लखनऊ जेल में रहे और ग्यारह साल छ महीने जेल काटने के बाद वे रिहा हुए और महात्मा गांधी के अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल हो गए और एक बार फिर गिरफ्तार हो कर जेल चले गए। जेल में उनकी मुलाकात अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से हुई जिनमें पंडित जवाहर लाल नेहरू, महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रमुख थे। देश की आजादी के बाद वे गढ़वाल में रहे और १९७९ को १अक्टूबर को उनका लंबी बीमारी के बाद कोटद्वार में निधन हो गया। समझ से परे है कि एक विधायक को ऐसा बयान देने की जरूरत क्या है, खास तौर से ऐसे व्यक्ति के बारे में जो उत्तराखंड के इतिहास के लिए खास महत्व रखता हो। जिसकी वीरता की गाथा बच्चों को पढ़ाई जाती है और उनके जन्म और मृत्यु को भी सरकारी तौर पर विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए याद किया जाता है। इस प्रकार के बयान जन प्रतिनिधियों की सामाजिक सोच के गिरते हुए स्तर का उदाहरण है। भाजपा संगठन भले ही इस संदर्भ में मौन धारण कर ले लेकिन प्रदेश की जनता ऐसी अनर्गल बातों को स्वीकार करने वाली नहीं है।

अकेले क्यों थकना, जब साथ मिलकर बदल सकते हैं जमाना!

दिलीप कुमार पाठक

सोचिए, अगर हाथ की सिर्फ एक उंगली से किसी भारी चीज को उठाने की कोशिश करें, तो क्या होगा? शायद उंगली में मोच आ जाएगी। लेकिन जब पांचों उंगलियां मिलकर मुट्ठी बन जाती हैं, तो ताकत कई गुना बढ़ जाती है। बस यही सीधा सा फंडा है सहकारिता का। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर मैं, मेरा और मुझे में खोए रहते हैं। लेकिन साल में एक दिन ऐसा आता है जो हमें याद दिलाता है कि जिंदगी की असली गाड़ी अकेले नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलने से ही सुचारू रूप से चलती है। जुलाई का पहला शनिवार इसी एकता और भाईचारे के नाम होता है, जिसे लोग तकनीकी भाषा में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस कह देते हैं।

बहुत से लोग इस भारी-भरकम शब्द को सुनकर कन्फ्यूज हो जाते हैं, लेकिन इसका मतलब बहुत ही सीधा है - एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ना। हमारे समाज में हर किसी के पास बहुत सारा पैसा या बड़ी-बड़ी सिफारिशें नहीं होतीं। किसी के पास कोई छोटा सा हुनर होता है, तो किसी के पास थोड़ी सी जमीन। अब अकेले दम पर तो बड़ा बिजनेस खड़ा करना मुमकिन नहीं है। ऐसे में कुछ लोग आपस में मिलते हैं, अपनी थोड़ी-थोड़ी जमापूंजी एक जगह जमा करते हैं और मिलकर काम शुरू कर देते हैं। यहां कोई बड़ा बॉस या नौकर नहीं होता। जितने लोग, उतने मालिक। सब मिलकर फैसला लेते हैं और जो भी फायदा होता है, उसे आपस में खुशी-खुशी बांट लेते हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां कोई किसी का हक नहीं मार सकता। इस जादुई फॉर्मूले की सबसे बड़ी मिसाल हमारे घरों में सुबह-सुबह आने वाला अमूल दूध है। बरसों पहले गुजरात के कुछ सीधे-साधे किसानों ने मिलकर बिचौलियों की मनमानी के खिलाफ एक छोटी सी मंडली बनाई थी। आज वही छोटी सी शुरुआत दुनिया का इतना बड़ा ब्रांड बन चुकी है कि हर घर की सुबह उसके बिना अधूरी है। इसी तरह सिर्फ सात महिलाओं ने अस्सी रुपये उधार लेकर पापड़ बनाने का काम शुरू किया था, जिसे आज हम लिज्जत पापड़ के नाम से जानते हैं। आज इस काम से देश की हजारों महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हैं और गर्व से अपना घर चला रही हैं। ये कहानियां गवाह हैं कि जब आम लोग एक साथ आ जाते हैं, तो बड़े-बड़े कॉरपोरेट घराने भी उनके आगे फीके पड़ जाते हैं।आज के समय में जब हर तरफ सिर्फ अपना फायदा देखने की होड़ मची है, वहां यह सोच किसी ठंडी हवा के झोंके जैसी है। बड़ी-बड़ी कंपनियां सिर्फ अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने में लगी रहती हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का भी नुकसान करना पड़े। लेकिन जब लोग मिलकर कोई समिति या ग्रुप बनाते हैं, तो वे सिर्फ पैसे के पीछे नहीं भागते। वे अपने साथ-साथ अपने गांव, अपने पड़ोसियों और पर्यावरण का भी ख्याल रखते हैं। यहां अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होता। सबके वोट की कीमत बराबर होती है। यही वजह है कि यह मॉडल समाज से मंदी और बेरोजगारी जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म करने की ताकत रखता है। खासकर हमारे गांवों और छोटे कस्बों में यह सोच किसी वरदान से कम नहीं है। छोटे किसानों को सस्ते दाम पर खाद-बीज दिलाना हो, महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के जरिए आत्मनिर्भर बनाना हो या कम ब्याज पर लोन देना हो, यह आपसी सहयोग हर जगह ढाल बनकर खड़ा हो जाता है। यह हमें सिखाता है कि अगर हम अपनी छोटी-छोटी ताकतों को मिला लें, तो एक बहुत बड़ी दीवार खड़ी की जा सकती है जो हर मुसीबत को रोक देगी। तो चलिए, आज के दिन से एक नई शुरुआत करते हैं। अपने आस-पास की ऐसी छोटी समितियों, स्थानीय कारीगरों और मिलकर काम करने वाले ग्रुप्स को सपोर्ट करें। बाजार से सामान खरीदते वक्त बड़े ब्रांड्स के चमकीले विज्ञापनों में फंसने के बजाय अपने ही लोगों की मेहनत को तवज्जो दें। जब हम एक-दूसरे का सहारा बनेंगे, तभी देश का हर कोना तरक्की करेगा। आखिर असली मजा तो सबके साथ आगे बढ़ने में ही है! (लेखक पत्रकार हैं)

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

हर्षवर्धन पान्डे

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है।

विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वले विवेकानंद काफी चंचल प्रवृति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थी लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमे शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में वह अव्वल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वंद से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरुरी है क्युकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगो को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बदने की राह खोली।

11 सितंबर सन 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मेलन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधे पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली ह्यवेदांत सोसाइटीह्व की स्थापना की। विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं।शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की गहराइयों से उस पर दया करता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा। जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोड़ा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए।

मोदी का 'मिशन 360': सत्ता के सुपर बहुमत की राजनीति या लोकतंत्र का नया अध्याय?

विनोद कुमार सिंह

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

भारतीय राजनीति में इन दिनों 'मिशन 360' शब्द तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने इस नाम से किसी आधिकारिक अभियान की घोषणा नहीं की है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा आने वाले वर्षों में संसद के दोनों सदनों में इतना व्यापक संख्याबल प्राप्त करना चाहती है, जिससे केवल सरकार चलाना ही नहीं, बल्कि बड़े संवैधानिक और नीतिगत निर्णयों को भी अपेक्षाकृत सहजता से आगे बढ़ाया जा सके। दूसरी ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती मानते हुए आरोप लगाता है कि सत्ता पक्ष विपक्षी दलों में राजनीतिक सेंध लगाकर अपना विस्तार करना चाहता है। ऐसे में 'मिशन 360' केवल एक राजनीतिक चर्चा नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा और भविष्य से जुड़ा विमर्श बन चुका है।

भारतीय संविधान किसी भी राजनीतिक दल को व्यापक जनादेश प्राप्त करने से नहीं रोकता। लोकतंत्र का मूल आधार जनता की स्वीकृति है। यदि कोई दल चुनाव जीतकर या वैधानिक गठबंधन के माध्यम से बहुमत प्राप्त करता है तो उसमें कोई असंवैधानिकता नहीं है। किंतु जब बहुमत का विस्तार विपक्षी दलों में टूट, निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल परिवर्तन अथवा राजनीतिक पुनर्संरचना के माध्यम से होता दिखाई देता है, तब लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यही कारण है कि आज बहुमत और मर्यादा, दोनों समान रूप से चर्चा के विषय हैं।

लोकसभा में सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत पर्याप्त होता है, लेकिन संविधान संशोधन के लिए अनुच्छेद 368 के अंतर्गत अनेक मामलों में विशेष बहुमत तथा कुछ विषयों पर आधे राज्यों की स्वीकृति भी आवश्यक होती है। महिला आरक्षण कानून के पूर्ण क्रियान्वयन, परिसीमन, 'एक देशःएक चुनाव', न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषयों को देखते हुए यह समझा जा सकता है कि कोई भी सरकार संसद में अधिक मजबूत स्थिति क्यों चाहेगी। इस दृष्टि से संसदीय संख्याबल केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नीति निर्माण की क्षमता से भी जुड़ा है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गयालाल के बार-बार दल बदलने के बाद 'आया राम, गया राम' भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। इसी पृष्ठभूमि में 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया और 2003 के 91वें संविधान संशोधन द्वारा इसे और कठोर बनाया गया। इसके बावजूद राजनीतिक पुनर्संरचना पूरी तरह नहीं रुकी।

पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ पहले शिवसेना और बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन हुआ। इन घटनाओं ने केवल सरकारें नहीं बदलीं, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका, निर्वाचन आयोग की शक्तियों और सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक व्याख्याओं पर भी व्यापक बहस छेड़ दी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और अन्य राज्यों में भी सत्ता परिवर्तन ने यह स्पष्ट किया कि आज राजनीतिक संघर्ष केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रह गया है; चुनाव के बाद की रणनीति भी सत्ता के समीकरण तय कर रही है।

पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनावों के पहले और बाद कई नेताओं के दल बदलने की घटनाएँ सामने आईं। कुछ नेता तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, जबकि कुछ बाद में वापस लौट आए। इससे यह प्रश्न और गहरा हुआ कि क्या भारतीय राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर पड़ रही है और चुनावी गणित अधिक प्रभावी होता जा रहा है। दिल्ली और पंजाब में भी समय-समय पर विभिन्न राजनीतिक अटकलें सामने आती रही हैं, हालांकि अधिकांश मामलों में उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। फिर भी इससे यह संकेत अवश्य मिलता है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक सांसद और प्रत्येक क्षेत्रीय दल भविष्य के सत्ता समीकरण का संभावित हिस्सा माना जा रहा है।

भाजपा का पक्ष यह रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वेच्छा से उसके साथ जुड़ते हैं तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम निर्णय जनता चुनाव में देती है। दूसरी ओर विपक्ष आरोप लगाता है कि केंद्रीय एजेंसियों, राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का उपयोग विपक्ष को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। इन आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या दल परिवर्तन जनादेश का सम्मान है या उसका पुनर्लेखन?

संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को जीवनभर किसी दल से बंधे रहने के लिए बाध्य नहीं करता। वहीं दूसरी ओर दसवीं अनुसूची का उद्देश्य व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचित जनादेश को बदलने से रोकना है। यदि कानून की भावना और राजनीतिक व्यवहार के बीच लगातार दूरी बढ़ती है, तो भविष्य में दल-बदल विरोधी कानून की समीक्षा की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ विशेषज्ञ यह सुझाव देते हैं कि यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसे पुनः जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करना चाहिए, जबकि अन्य विशेषज्ञ अत्यधिक कठोर कानून को प्रतिनिधियों की वैचारिक स्वतंत्रता के विरुद्ध मानते हैं।

यदि 'मिशन 360' जैसी कोई रणनीति वास्तव में अस्तित्व में है, तो उसका आधार केवल विपक्ष को कमजोर करना नहीं, बल्कि पूरे देश में संगठनात्मक विस्तार भी हो सकता है। पिछले एक दशक में भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों, दक्षिण भारत और नए सामाजिक वर्गों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया है। अनेक क्षेत्रीय दलों के साथ व्यावहारिक गठबंधन और संगठन विस्तार भी इसी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जाता है।

दूसरी ओर विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि उसकी अपनी एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी दल कई राज्यों में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। नेतृत्व, विचारधारा, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और चुनावी हितों के कारण साझा रणनीति बनाना कठिन होता रहा है। ऐसे में यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसके पीछे केवल सत्ता पक्ष की रणनीति ही नहीं, बल्कि उसके मूल दल की संगठनात्मक कमजोरियाँ, नेतृत्व संकट और भविष्य को लेकर असंतोष भी कारण हो सकते हैं। इसलिए हर राजनीतिक परिवर्तन को केवल किसी 'ऑपरेशन' का परिणाम मान लेना भी वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।

यदि भविष्य में भाजपा संसद में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करती है, तो उसके सामने अवसरों के साथ संवैधानिक जिम्मेदारियाँ भी बढ़ेंगी। 'एक देशःएक चुनाव', परिसीमन, महिला आरक्षण कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषय केवल संख्याबल से नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति और लोकतांत्रिक संवाद से ही सफल हो सकते हैं। लोकतंत्र में बहुमत महत्वपूर्ण है, लेकिन संवाद और सहमति उसकी स्थायी शक्ति हैं।

उधर विपक्ष के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। यदि वह हर राजनीतिक परिवर्तन का दोष केवल सत्ता पक्ष पर मढ़ने के बजाय अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करता है, तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी बन सकता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सत्ता परिवर्तन की संभावना और मजबूत विपक्ष की उपस्थिति में निहित होती है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि आज का भारतीय मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और निर्णायक है। वह केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि विकास, सुशासन, नेतृत्व, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्थानीय मुद्दों और प्रशासनिक प्रदर्शन को भी समान महत्व देता है। इसलिए, संसद में स्थायी बहुमत का वास्तविक आधार अंततः जनता का सतत विश्वास ही होता है, न कि केवल राजनीतिक जोड़-तोड़।

आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या भाजपा अपने संगठनात्मक विस्तार को व्यापक जनसमर्थन में बदल पाती है, क्या विपक्ष स्वयं को विश्वसनीय विकल्प के रूप में पुनर्गठित कर पाता है और क्या लोकतांत्रिक संस्थाएँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखती हैं।

'मिशन 360' आज भले ही राजनीतिक चर्चाओं का विषय हो, लेकिन उसकी वास्तविक परीक्षा संसद के भीतर नहीं, बल्कि जनता की अदालत में होगी। यदि किसी दल को व्यापक जनादेश चुनावों के माध्यम से प्राप्त होता है तो वह लोकतंत्र की स्वाभाविक सफलता होगी। किंतु यदि बहुमत का विस्तार मुख्यतः विपक्षी दलों में लगातार टूट के माध्यम से होता है, तो लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठते रहेंगे। उसी प्रकार यदि विपक्ष अपनी कमजोरियों का आत्मविश्लेषण किए बिना प्रत्येक राजनीतिक परिवर्तन को केवल सत्ता पक्ष की रणनीति बताता रहेगा, तो वह भी अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि 'मिशन 360' सफल होगा या नहीं, बल्कि यह है कि भारत की राजनीति आगे किस दिशा में विकसित होगी–क्या वह केवल संख्याओं का लोकतंत्र बनेगी या संवैधानिक मूल्यों, स्वस्थ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और जनविश्वास पर आधारित एक अधिक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ेगी। आने वाले वर्षों का राजनीतिक इतिहास इसी प्रश्न का उत्तर तय करेगा।

संक्षिप्त समाचार

ओहायो के मोटल में भीषण आग, तीन की मौत

वूस्टर , एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य के वूस्टर शहर में बुधवार तड़के एक मोटल में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि तीन लोग कमरे में ही फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। दमकल विभाग ने उन्हें बचाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतकों में दो लोग मोटल के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। घटना में कोई अन्य घायल नहीं हुआ। आग लगने के समय मोटल की छत से ऊंची लपटें उठ रही थीं। अन्य कमरों में ठहरे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ग्रीस में सत्तारूढ़ पार्टी नेताओं के घरों पर फायरबम हमला, एक महिला की मौत

थेसालोनिकी , एजेंसी। ग्रीस के थेसालोनिकी शहर में बुधवार तड़के सत्तारूढ़ न्यू डेमोक्रेसी पार्टी के नेताओं के घरों पर तीन फायरबम हमले किए गए। इन हमलों में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने गैस सिलेंडर से बने देसी विस्फोटक इस्तेमाल किए। एक कार सत्तारूढ़ पार्टी की पूर्व संसदीय उम्मीदवार अफ्रोदिती नेस्टोरा की थी। वह झुलस गईं, जबकि उनकी मां ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने घटना की निंदा करते हुए इसे अंधी राजनीतिक हिंसा बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की एंटीना पर चढ़कर बैनर लहराने पर दो गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित मशहूर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की एंटीना पर बुधवार को दो लोग चढ़ गए और वहां 'प्यार की ताकत' का संदेश लिखे बैनर को लहरा दिया। दोनों ने ऊंचाई पर सेल्फी ली, एक-दूसरे को गले लगाया और किस भी किया। करीब आधे घंटे बाद वे नीचे उतरने लगे, जहां पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह अभी साफ नहीं हो पाया है कि दोनों इमारत की सुरक्षा व्यवस्था को पार कर एंटीना तक कैसे पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तान की स्वात घाटी में नाव पलटने से एक ही परिवार के छह की मौत, तीन लापता ; बचाव अभियान जारी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की स्वात घाटी में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां की प्रसिद्ध सैफुल्ला झील में नौ पर्यटकों से भरी एक नाव पलट गई। इस हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग अभी भी लापता हैं। पुलिस के अनुसार, नाव पर सवार सभी नौ लोग एक ही परिवार के थे। ये सभी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहने वाले थे और स्वात घाटी के कलाम इलाके में घूमने आए थे। झील की सैर के दौरान अचानक नाव असंतुलित होकर पानी में पलट गई। हादसे की खबर मिलते ही 'रेस्क्यू 1122' की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने महोदंड इलाके के पास झील से छह शव बरामद कर लिए हैं। लापता तीन सदस्यों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। अधिकारी हादसे के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने इस घटना पर संज्ञान लिया है और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि अगर इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही पाई जाती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अफगान मंत्री ने पाकिस्तान को दी खुली धमकी, कहा- हमने बड़ी ताकतों को हराया

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के सूचना और संस्कृति मंत्री शर अहमद हक्कानी ने बुधवार को पाकिस्तान के साथ जारी तनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अफगान लोग बाहरी दबाव या सैन्य हमलों से डरने वाले नहीं हैं। काबुल पहले ही उन विरोधियों पर जीत हासिल कर चुका है, जिनके पास उससे कहीं बेहतर हथियार और आधुनिक तकनीक थी। अफगानिस्तान स्थित 'आरियाना न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों की बौद्धिक, वैचारिक और पेशेवर क्षमता बढ़ाने के लिए आयोजित सेमिनार में बोलते हुए हक्कानी ने कहा कि अफगानिस्तान को धमकियों से डराया नहीं जा सकता, क्योंकि अफगानस्तिान कई सालों से संघर्ष झेलता आया है। शर अहमद हक्कानी ने कहा कि जिन लोगों ने बेरहमी से बमबारी करके हमारे बच्चों को नींद में मार डाला, उनसे हम कहना चाहते हैं कि हम बम धमाकों और मुश्किलों से नहीं डरते। हमने उन लोगों को हराया है, जो आधुनिक तकनीक और हथियारों के मामले में आपसे कहीं ज्यादा ताकतवर थे।

अरब सागर में अमेरिकी हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग, एक क्रू मेंबर लापता

मनामा, एजेंसी। अरब सागर में अमेरिकी नौसेना के एक हेलीकॉप्टर को इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग करानी पड़ी. इसमें सवार 4 क्रू मेंबर में एक लापता हो गया.उसकी तालश के लिए अभियान चलाया गया है. यह जानकारी यूएस नेवल फोर्सेज सेंट्रल कमांड, जिसे यूएस 5ह्ळद्ध फ्लीट भी कहा जाता है ने दी. एक्स पर एक पोस्ट में यूएस 5ह्ळद्ध फ्लीट ने कहा, '1 जुलाई को सुबह 3:30 बजे ईटी पर यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश को सौंपे गए एमएच-60एस सी हॉक हेलीकॉप्टर के एयरक्रू ने अरब सागर में इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग की नेवी ने कहा, 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि इमरजेंसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी.' इसमें आगे कहा गया कि हेलीकॉप्टर के चार क्रू मेंबर में से तीन को निकाल लिया गया और उनकी हालत स्थिर है. उन्हें जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश पर रखा गया है.

अमेरिकी नेवी ने कहा कि बाकी क्रू मेंबर के लिए सर्च ऑपरेशन चल रहा है, और कहा, 'इस इलाके में अमेरिकी नेवी के एसेट्स अभी भी लापता दूसरे एयरक्रूमैन की तलाश कर रहे हैं.' नेवी ने आगे कहा कि घटना के कारण की 'जांच चल रही है.' इस बीच बुधवार (लोकल टाइम) को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह से चल रहा है. उन्होंने कतर में सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ सीधी हाई-लेवल बातचीत में ईरान के न होने के बावजूद तेहरान के साथ राजनयिक प्रगति को लेकर उम्मीद जताई. नॉर्थ डकोटा में नई बनी थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी देखने के लिए निकलते समय रिपोर्टर्स से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों को लेकर ईरान पर हाल ही में हुई मिलिट्री कार्रवाई के बाद तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर बातचीत पॉजिटिव रूप से आगे बढ़ी है.

ट्रंप ने कहा, 'जहां तक ??बात है, ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है. उनकी बहुत अच्छी मीटिंग्स हुई है, और हम देखेंगे. हमने तीन रातों तक उन पर बहुत कड़ा प्रहार किया लेकिन हम बहुत अच्छी तरह से साथ चल रहे हैं. इसलिए मैं इसे परमाणु निरस्त्रीकरण कहता हूं. यह सब हो रहा है. यह सब ठीक चल रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालिया हमलों के बाद ईरान ने अपना रुख बदल लिया है. उन्होंने कहा, 'वे बहुत आगे बढ़ चुके हैं. हमने पिछले हफ्ते उन पर बहुत जोरदार हमला किया. वे ठीक हैं. हम इसे हासिल करने जा रहे हैं. यह ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण है. तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर वाशिंगटन की दीर्घकालिक स्थिति को दोहराते हुए, ट्रम्प ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी. उन्होंने कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता. अन्यथा, ये सभी चीजें जो हम देखते हैं, ये सभी चीजें जो हम करते हैं, देश में कभी भी ऐसी गतिविधि नहीं रही जैसी अभी है.' ट्रम्प की टिप्पणी तब आई है जब ईरानी अधिकारियों ने दोहा में अमेरिका के साथ सीधे उच्च स्तरीय वार्ता में भाग नहीं लिया है.

4 में से 3 मिले : नौसेना ने कहा, 'ऐसा कोई संकेत नहीं है कि यह इमरजेंसी किसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी।' उन्होंने बताया, 'हेलीकॉप्टर के चार क्रू सदस्यों में से तीन को सुरक्षित निकाल लिया गया है और जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश पर उनकी हालत स्थिर है।' आगे जानकारी दी गई, 'क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नौसेना के संसाधन फिलहाल लापता चल रहे अन्य क्रू सदस्य की तलाश कर रहे हैं।'

खतरनाक है पानी पर लैंडिंग : रॉयटर्स के अनुसार, पानी पर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग बेहद जोखिम भरी होती है, यहां तक कि माहिर पायलटों के लिए भी। इसकी वजह यह है कि हेलीकॉप्टर का ऊपरी हिस्सा काफी भारी होता है, जिससे पानी में डूबते ही उसके तुरंत पलट जाने का खतरा बहुत ज्यादा रहता है। इसके अलावा इस इलाके में तैनात अमेरिकी सैनिक भी पूरी तरह चौकन्ने हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम होने के बावजूद बीच-बीच में अचानक हिंसक झड़पें होती रहती हैं। ईरान और अमेरिका ने कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता में दोहा में परोक्ष वार्ता का एक नया दौर शुरू किया है। चारों पक्षों में यह चर्चा स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच सीधे संवाद के पहले दौर के कुछ दिनों बाद हो रही है। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य पिछले महीने किए गए समझौते को लागू करना है। इसमें विशेष रूप से ईरान की रोकी गयी संपत्तियों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने से जुड़े मामलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

पोलैंड हाई अलर्ट पर, बॉर्डर पर तैनात किए एयर डिफेंस सिस्टम, फाइटर जेट्स की हलचल बढ़ी

वारसॉ , एजेंसी। रूस ने एक बार फिर अपनी सैन्य आक्रामकता का परिचय देते हुए कीव पर अब तक के सबसे बड़े संयुक्त हवाई हमलों में से एक को अंजाम दिया। इस हमले में रूसी सेना ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन्स का एक साथ बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, जिसने पूरे शहर की नींव हिलाकर रख दी। गुरुवार तड़के शुरू हुए इस भीषण हमले के बाद पूरे शहर में 'एयर रेड सायरन' गूंजने लगे और हजारों नागरिक अपनी जान बचाने के लिए मेट्रो स्टेशनों और गहरे भूमिगत बंकरों की ओर शरण लेने को मजबूर हो गए।

पोलैंड में हाई अलर्ट : रूस के इस हमले का असर केवल यूक्रेन की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा। पड़ोसी देश और ह्व्रञ्ज्ह सदस्य पोलैंड ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल सक्रिय कर दिया है। पोलिश सेना ने एहतियात के तौर पर अपने स्न-16 लड़ाकू विमानों को उड़ान भरने के निर्देश दिए और अपने एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तथा रडार यूनिट्स को 'हाई अलर्ट' पर तैनात कर दिया है। पोलैंड ने बयान जारी कर कहा कि यह कदम यूक्रेन से सटे सीमावर्ती इलाकों और अपने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

हमले में 11 लोग घायल : कीव के मेयर विताली क्लिट्स्को के अनुसार, रूसी मिसाइलों और ड्रोन्स ने शहर के कई महत्वपूर्ण और नागरिक इलाकों को निशाना बनाया। मध्य कीव के प्रसिद्ध शेवचेंको बुलेवार्ड में स्थित एक होटल की ऊपरी मंजिलों में हमले के बाद भीषण आग लग गई, जिसकी लपटें मीलों दूर से देखी जा सकती थीं। इसके अलावा, एक नौ मंजिला रिहायशी अपार्टमेंट का एक हिस्सा मिसाइल की चपेट में आकर ढह गया, जिससे कई लोग मलबे के नीचे दब गए। राहत और बचाव दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मलबे में फंसे लोगों को निकालने का काम शुरू किया। रिपोर्ट के अनुसार, एक एंबुलेंस स्टेशन भी इस हमले की चपेट में आया, जहां एक पैरामेडिक गंभीर रूप से घायल हो गया है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान में एक बार फिर हिली धरती, आया 5.5 तीव्रता का भूंकप; नुकसान की खबर नहीं

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में एक बार फिर भूकंप ने दहशत फैला दी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्त्रस्) के अनुसार, बुधवार को जुर्म क्षेत्र के निकट 5.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र भूमि से 216.7 किलोमीटर (लगभग 135 मील) की काफी अधिक गहराई पर था। गहराई अधिक होने के कारण सतह पर कंपन अपेक्षाकृत कम महसूस किया गया। अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हताहत की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

पहाड़ी इलाकों में अक्सर आते हैं भूकंप : बता दें कि अफगानिस्तान भारतीय टेक्टोनिक प्लेट और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट की सीमा पर स्थित है, जो इसे दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंप क्षेत्रों में से एक बनाता है। हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला इस क्षेत्र को और भी संवेदनशील बनाती है। उत्तर-पूर्वी बदख्शां प्रांत समेत पहाड़ी इलाकों में नियमित रूप से भूकंप आते रहते हैं, जिनके झटके अक्सर पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और भारत के उत्तरी हिस्सों तक महसूस किए जाते हैं।

27 जून को आया था 6.2 तीव्रता का भूकंप : इससे पहले शनिवार 27 जून को भी उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। स्त्रस् के मुताबिक, इसका केंद्र बदख्शां प्रांत के जुर्म के पास 208 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान, उत्तरी भारत, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और किर्गिस्तान तक महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसे 215 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया और बताया कि भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 7:04 बजे आया था। अफगानिस्तान के बदख्शां, बल्ख, नंगरहार और खोस्त समेत कई प्रांतों में तेज कंपन महसूस किया गया। काबुल में लोगों ने बताया था कि इमारतें हिलीं और कुछ इमारतों में दरारें भी पड़ गई थीं। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफ़गानिस्तान का हिंदू कुश क्षेत्र था। इसके झटके इस्लामाबाद के साथ-साथ पूर्वी पंजाब प्रांत और उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में भी महसूस किए गए।

पाकिस्तान में 125 साल पुराने गुरुद्वारे पर चला बुलडोजर, भारत ने शहबाज सरकार को लगाई कड़ी फटकार

लाहौर , एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों पर हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला पंजाब प्रांत के फारूकाबाद का है, जहां 125 साल पुराने ऐतिहासिक 'गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साहिब' के एक हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया गया। लाहौर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित इस पवित्र स्थल पर हुई इस कार्रवाई ने न केवल स्थानीय सिख समुदाय को झकझोर दिया है, बल्कि भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव भी बढ़ा दिया है।

भारत ने जताया कड़ा ऐतराज : गुरुद्वारे को गिराए जाने की खबर सामने आते ही भारत सरकार ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना को 'बेहद निंदनीय' और 'सोची-समझी बर्बरता' करार दिया। उन्होंने

स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सिखों के एक सम्मानित धार्मिक स्थल के खिलाफ जानबूझकर की गई कार्रवाई है। भारत ने शहबाज शरीफ सरकार से मांग की है कि इस घिनौनी हरकत के दोषियों को तुरंत सलाखों के पीछे भेजा जाए और गुरुद्वारे के क्षतिग्रस्त हिस्से का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए।

बिना एनओसी के ढहा दी गई विरासत : शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस ऐतिहासिक ढांचे को किसी सरकारी आदेश पर नहीं, बल्कि एक स्थानीय व्यवसायी की मनमानी के कारण ढहाया गया है। पंजाब सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, उक्त व्यवसायी ने संबंधित विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र लिए बिना ही इस प्राचीन इमारत को गिराना शुरू कर दिया। सबसे गंभीर बात यह है कि स्थानीय प्रशासन और 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' ने तब तक कोई कार्रवाई नहीं की, जब तक कि सिख समुदाय ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू नहीं कर दिया।

सिख समुदाय ने जताया विरोध : इस घटना के बाद पाकिस्तान के सिख समुदाय में भारी आक्रोश व्याप्त है। लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों के दबाव में आकर पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने मामले का संज्ञान लिया है।

धार्मिक असहिष्णुता पर उठते सवाल : भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान में व्याप्त सांप्रदायिक हिंसा और धार्मिक असहिष्णुता के माहौल पर गंभीर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों को निशाना बनाया गया है। भारत ने अपील की है कि पाकिस्तान सरकार केवल वादे न करे, बल्कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाए।

वेनेजुएला ने भूकंप पीड़ितों के लिए 7 दिनों का राष्ट्रीय शोक किया घोषित

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए शक्तिशाली भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं।' रोड्रिगेज ने आगे कहा, 'खतरनाक भूकंपों से हुए इंसानी नुकसान से वेनेजुएला की आत्मा टूट गई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार तक भूकंप से कम से कम 1,943 लोगों की मौत हो चुकी थी और 10,500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इससे पहले, पुर्तगाली सरकार ने भी

वेनेजुएला में भूकंप के पीड़ितों, खासकर पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों के लिए रविवार (5 जुलाई) को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने की घोषणा की थी। पुर्तगाल के विदेश मंत्रालय के नए अपडेट के मुताबिक, पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है, जिसमें 11 बच्चे शामिल हैं, जबकि 71 और लोग लापता हैं। आधिकारिक लुसा न्यूज एजेंसी के अनुसार, वेनेजुएला में रहने वाला पुर्तगाली समुदाय दुनिया भर में बसे पुर्तगाली प्रवासी समुदायों में सबसे बड़े समुदायों में से एक है। लैटिन अमेरिका में इसका स्थान ब्राजील के बाद दूसरा है। सामुदायिक अनुमानों के मुताबिक, पुर्तगाली मूल के लोगों सहित इस समुदाय की आबादी लगभग 12 लाख (1.2 मिलियन) है। पिछले हफ्ते, वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने घोषणा की कि ला गुएरा राज्य को बचाव के कामों में मदद करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलिट्री कंट्रोल में ले लिया गया है। ला गुएरा लगातार आए दो भूकंपों से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। रोड्रिगेज ने एक टेलीविजन ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'हम सभी को बताना चाहते हैं कि ला गुएरा राज्य अब पूरी तरह से मिलिट्री के कंट्रोल में है और पूरी तरह से बोलिवेरियन नेशनल आर्म्ड फोर्सेज के नियंत्रण में है। रोड्रिगेज ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अंदरूनी व्यवस्था बनाए रखने और वेनेजुएला के इमरजेंसी रेस्पॉन्डर्स और अंतरराष्ट्रीय बचाव दलों के रेस्क्यू ऑपरेशन को आसान बनाने के लिए यह कदम उठाने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि ज्यादातर रेस्क्यू करने वाले लोग काराबालेडा, मैकुटो, लॉस कोरालेस और कैटिया ला मार में काम कर रहे थे। ये ऐसे इलाके हैं जो भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुए थे।

सीमा विवाद पर नरम पड़ा नेपाल, विदेश मंत्री शिशिर खनाल बोले- भारत से बातचीत को हमेशा तैयार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक बहुत ही सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने संसद के ऊपरी सदन में बयान देते हुए कहा कि नेपाल हमेशा से भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए इस मुद्दे को हल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। खनाल ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच मौजूद बहुत ही मजबूत और करीबी रिश्तों पर विशेष रूप से जोर दिया। नेपाल सरकार ऐतिहासिक समझौतों और नक्शों के आधार पर ही इस पुराने मसले का शांतिपूर्ण समाधान पूरी तरह से चाहती है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भारत और नेपाल के बीच मौजूद करीबी संबंधों और संवेदनाओं का हमेशा से पूरा सम्मान करती है। इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने मई में संसद में एक बहुत ही विवादित बयान दिया था जिस पर काफी बवाल मचा था। उन्होंने भारत पर नेपाल की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था और इस मामले में चीन और ब्रिटेन को शामिल करने की बात कही थी। लेकिन अब विदेश मंत्री के इस नए बयान ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने और मजबूत करने की एक नई उम्मीद जगा दी है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के विवादित बयान के बाद भारत ने इस मुद्दे पर किसी भी तीसरे देश के दखल को पूरी तरह से और सिरे से खारिज कर दिया था। नेपाल के सभी विपक्षी दलों ने भी बालेन शाह के इस गैर-जरूरी और भड़काऊ बयान की बहुत ही कड़ी आलोचना की थी। बाद में नेपाल के विदेश

मंत्रालय ने अपनी सफाई जारी करते हुए कहा था कि पीएम का मतलब सिर्फ सीमा के दोनों ओर के स्थानीय लोगों की घुसपैठ से था।

सुस्ता सीमा पर आपसी तालमेल : दक्षिण नेपाल के सुस्ता क्षेत्र में चल रहे विवाद पर बात करते हुए विदेश मंत्री खनाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास सारा काम आपसी तालमेल से हो रहा है। सुस्ता क्षेत्र में 132 मीटर लंबे तटबंध के निर्माण का काम भी दोनों देशों के बीच आपसी सहमति बनने के बाद ही तेजी से आगे बढ़ाया गया है। दोनों देशों की संबंधित संस्थाएं हमेशा एक-दूसरे के संपर्क में रहती हैं ताकि किसी भी तरह की कोई नई गलतफहमी पैदा न हो सके।

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी जैसे इलाकों को लेकर बहुत ही पुराना सीमा विवाद लगातार चलता आ रहा है। भारत का हमेशा से यही स्पष्ट रुख रहा है कि ये सभी क्षेत्र उत्तराखंड का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाना चाहिए। दोनों देश अक्सर इन अहम क्षेत्रों पर अपना-अपना दावा मजबूती से करते रहे हैं जिसे सुलझाने के लिए अब कूटनीतिक पहल की जा रही है।

असद राज के खात्मे के बाद सीरिया में नई संसद तैयार, 70 सांसदों की लिस्ट हुई जारी

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में पांच दशक पुराने असद शासन के अंत के बाद अब पहली बार नई संसद का विधिवत गठन हुआ है। देश के नवनियुक्त अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने अपनी तरफ से 70 नए सांसदों की एक बहुत ही महत्वपूर्ण सूची को आधिकारिक तौर पर जारी किया है।

सीरियाई संसद का यह ऐतिहासिक पुनर्गठन पूरी दुनिया को दिखाता है कि देश अब शांति और नए कानून बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दिसंबर 2024 में विद्रोहियों के बड़े हमले और अचानक हुए तख्तापलट के बाद से देश में कोई भी आधिकारिक संसद सुचारू रूप से काम नहीं कर रही थी। सीरिया की चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने बताया है कि इस नई संसद में कुल 210 सदस्य पूरी तरह से शामिल होंगे। इस नवनिर्वाचित संसद की सबसे पहली और अहम बैठक आने वाले सोमवार को राजधानी में बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित की जाने वाली है। सीरिया देश बहुत लंबे समय तक असद परिवार के बेहद क्रूर शासन और भयंकर गृहयुद्ध की गहरी मार को लगातार अपने ऊपर झेलता आ रहा था। इस विनाशकारी और लंबे चले युद्ध में लगभग 5 लाख निर्दोष लोग अपनी जान गंवा चुके हैं जिससे पूरे देश को भारी जनहानि और नुकसान हुआ है।

महिलाओं की बढ़ी भागीदारी : अंतरिम राष्ट्रपति अल-शरा द्वारा चुनी गई 70 सांसदों की इस नई और महत्वपूर्ण लिस्ट में 15 महिलाओं को भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। नई संसद की पहली बैठक में सभी नवनिर्वाचित सदस्य अपनी-अपनी शपथ लेंगे और संसद के प्रेसिडेंशियल काउंसिल का अहम चुनाव भी शांतिपूर्वक किया जाएगा। इन 15 नई महिलाओं के आधिकारिक रूप से जुड़ने

के साथ ही अब सीरियाई संसद में महिला सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 22 हो गई है। यह शानदार कदम सीरिया की नई राजनीति में महिलाओं की बढ़ती हुई सक्रिय और महत्वपूर्ण भागीदारी को पूरी दुनिया के सामने बहुत ही स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

सुवेदा के दो प्रतिनिधि शामिल : सीरिया में संसदीय चुनाव का पहला चरण पिछले साल अक्टूबर में हुआ था लेकिन दक्षिणी प्रांत सुवेदा को इससे पूरी तरह से अलग रखा गया था। सुवेदा पर द्रूज बंदूकधारियों का पूरा कंट्रोल है जो केंद्र सरकार के विरोधी हैं और वहां चुनाव के लिए अभी कोई भी तारीख तय नहीं की गई है।

इसके बावजूद अंतरिम राष्ट्रपति अल-शरा की ओर से जारी की गई लिस्ट में इस विशेष क्षेत्र के 2 प्रतिनिधियों को खास तौर पर शामिल कर लिया गया है। वहीं पूर्वोत्तर सीरिया में हिंसक झड़पों के बाद सरकारी बलों के पूर्ण कब्जे के कारण इस साल मई महीने में शांतिपूर्वक मतदान का काम पूरा कराया गया था।

नया चुनाव कानून बनाना लक्ष्य : चुनाव समिति के प्रमुख अल-अहमद के मुताबिक इस नवगठित संसद का पूरा कार्यकाल सिर्फ 30 महीने का ही सख्ती के साथ निर्धारित किया गया है। इस पूरे तय समय के दौरान संसद का सबसे मुख्य और अहम काम देश के लिए एक बिल्कुल नया और पारदर्शी चुनाव कानून तैयार करना होगा। यह नई संसद अगले चुनावों में जनता के लिए पूर्ण मतदान कराने की खातिर एक बहुत ही मजबूत और सुरक्षित जमीन तैयार करने का अहम काम करेगी। असद राज खत्म होने के बाद अब सीरिया की आम जनता को इस नई अंतरिम सरकार और संसद से बहुत ही ज्यादा उम्मीदें पूरी तरह से बंधी हुई हैं।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षो से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्त्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफॉस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत- सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्दय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है। बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हें।

साधारणत: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7–10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर–अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे– मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न–भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग–अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3–4 निराई–गुड़ाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैकं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उव्रण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175–200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।
छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।
पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।
फलों को शीत गृह मे 4–5 डिग्री से. तापमान व 85–90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20–25 दिन के लिए भण्डारित करें।
फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।
कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े–मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हें। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

संक्षिप्त समाचार

अल्मोड़ा में छह स्थानों पर मॉक ड्रिल

अल्मोड़ा/मौलेखाल। मानसून के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए बृहस्पतिवार को जिले के छह स्थानों पर मॉक ड्रिल हुआ। जिलाधिकारी अंशुल सिंह के निर्देशन में हुई इस मॉक ड्रिल में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों और आपदा प्रतिक्रिया तंत्र की कार्यक्षमता का परीक्षण किया गया।

मॉक ड्रिल के तहत रानीखेत की इंदिरा बस्ती में भूस्खलन, द्वाराहाट के सलना गांव और लमगड़ा के कनरा गांव में बादल फटने, सल्ट क्षेत्र में बस दुर्घटना, जागेश्वर धाम में भीड़ प्रबंधन तथा क्वारब क्षेत्र में भूस्खलन की काल्पनिक परिस्थितियां तैयार कर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास कराया गया। पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य, अग्निशमन, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, जल संस्थान, एसडीआरएफ समेत विभिन्न विभागों ने संयुक्त रूप से घायलों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार देने, अस्पताल पहुंचाने, प्रभावित क्षेत्रों को सुरक्षित करने और संचार व्यवस्था बनाए रखने का अभ्यास किया। क्वारब मॉक ड्रिल के लिए पुलिस लाइन में स्टेजिंग एरिया बनाया गया जहां से राहत दलों और संसाधनों का संचालन किया गया। वहीं कलक्ट्रेट स्थित जिला आपदा परिचालन केंद्र से इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम (आईआरएस) के तहत नामित अधिकारियों ने सभी गतिविधियों की निगरानी करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।

एसएसजे विश्वविद्यालय परिसर में बीए प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश जारी

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के अधीन अल्मोड़ा परिसर में बीए पहले सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। दो दिन में अब तक 15 छात्रों ने प्रवेश ले लिया है। वहीं आज से बीबीए व बीकॉम पहले सेमेस्टर की कक्षाओं में भी प्रवेश शुरू हो जाएंगे। संयोजक वाणिज्य संकाय डॉ. साक्षी तिवारी ने बताया कि प्रवेश वाणिज्य संकाय में 11 से दो बजे तक चलेंगे। छात्र अनिवार्य प्रमाण पत्रों को साथ लेकर पहुंचे। वहीं बीएससी, बीसीए, बीकॉम, बीबीए सहित अन्य कक्षाओं में फिलहाल अभी मेरिट लिस्ट जारी नहीं हो सकी है। मेरिट लिस्ट तैयार होने के चलले इन कक्षाओं में अभी प्रवेश शुरू नहीं हुए। परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट ने बताया कि मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद इन कक्षाओं में प्रवेश शुरू होंगे। बताया कि बीएससी में चार जुलाई से प्रवेश शुरू हो सकते हैं।

सीएम एकल स्वरोजगार योजना से बदली 42 महिलाओं की तकदीर

बागेश्वर। सरकार की ओर से महिलाओं को स्वावलंबी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026–27 में कुल 42 महिलाओं ने अपना व्यवसाय शुरू किया। जिले की एकल महिलाओं ने स्वयं का व्यवसाय शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार के तहत मिली सब्सिडी से विभिन्न प्रकार के उद्यम शुरू कर रही हैं। विभाग के अनुसार बागेश्वर ब्लॉक में 28 महिलाओं ने, गरुड़ में तीन और कपकोट में 11 महिलाओं ने लघु उद्यम अपनाया है।

महिलाओं ने ब्यूटी पीलर, टेलरिंग, बुनाई केंद्र, ब्यूटी पार्लर, कॉस्मेटिक, पशुपालन, जनरल स्टोर और सीएसी सेंटर आदि के व्यवसाय की शुरूआत कर ली है। योजना के तहत महिलाओं को पहले किस्त की पहली धनराशि के रूप में 35,000 रुपये की धनराशि दी जा चुकी है। बताया कि छह माह के बाद महिलाओं को दूसरी किस्त दी जाएगी। महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए 50 से 75 फीसदी तक की सब्सिडी दी जा रही है।

मजार से लौट रही कार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

रुद्रपुर , कलियर मजार से जियारत कर लौट रहे परिवार की कार देर रात गदरपुर थाना क्षेत्र में हादसे का शिकार हो गई। जाफरपुर के पास महतोष मोड़ पर अज्ञात वाहन ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, बरेली जिले के शेरगढ़ निवासी नसीर अहमद का परिवार कलियर मजार से लौट रहा था। देर रात जब उनकी आर्टिका कार जाफरपुर के पास महतोष मोड़ पर पहुंची, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसे में 28 वर्षीय नदीम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि इमरान, मोबीना, मन्नत, नथिया, अंजुम समेत छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

विद्यालय को गैस सिलिंडर दिलाने की मांग

महुआखेड़ा गंज। राजकीय प्राथमिक विद्यालय में तीन माह से गैस सिलिंडर नहीं मिला है। ऐसे में बच्चों के लिए मिड–डे मील लकड़ियों पर बनाना पड़ रहा है। प्रधानाध्यापक चितरंजन सिंह ने पूर्ति निरीक्षक को पत्र लिखकर गैस सिलिंडर दिलाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में 43 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। दूसरी शिक्षिका की बीएलओ ड्यूटी होने के कारण वह स्कूल छोड़कर सिलिंडर रिफिल कराने नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने विभाग से विद्यालय में जल्द गैस सिलिंडर उपलब्ध कराया जाए, ताकि मध्याह्न भोजन व्यवस्था सुचारु रूप से चल सके।

घरों की छत के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार से खतरा

डोईवाला। नगर पालिका के खता क्षेत्र की वर्मा कॉलोनी में बिजली के तार घरों की छतों के ऊपर से गुजर रहे हैं जो स्थानीय लोगों के लिए चिंता और खतरे का कारण बने हुए हैं। क्षेत्रवासियों को कहना है कि ऊर्जा निगम के अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

शहर के वार्ड 14 घिसरपड़ी खता क्षेत्र की वर्मा कॉलोनी में बिजली की तारे कई घरों से होकर जा रही है। ऐसे में लोगों को किसी बड़े हादसे की आशंका सता रही है। कांग्रेस नेता अमित सैनी ने बताया कि घरों के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों के कारण हर समय हादसे का डर बना रहता है। बरसात के मौसम में यह खतरा और बढ़ जाता है। कई बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि बच्चे घरों की छतों पर खेलते हैं और ऐसे में तारों के कारण दिक्कतें बनी रहती है। नगर पालिका सभासद सुशीला सैनी ने कहा कि ऊर्जा निगम को इस संबंध में लिखित में अवगत कराया जा चुका है। यदि समय रहते बिजली के तारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ऊर्जा निगम के उपखंड अधिकारी गिरिराज ने बताया कि समस्या का संज्ञान लिया गया है। जल्द एस्टीमेट बनाकर समस्या निदान का प्रयास किया जा रहा है।

नन्दा देवी राजजात की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : आगामी श्री नन्दा देवी राजजात के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर शुक्रवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा से जुड़े विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में नन्दा देवी राजजात से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने यात्रा की तैयारियों, निर्माण कार्यों, आधारभूत सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव दिये। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सुझावों पर सकारात्मक

कार्रवाई का आश्वासन देते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों एवं पड़ाव स्थलों पर सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, खाद्य सामग्री, पैदल मार्ग, पार्किंग, शौचालय, संचार, स्वच्छता तथा सुरक्षा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से कर्णप्रयाग-नोटी-पैठाणी, नन्दानगर-रामणी, थराली-मुन्दोली-वाण तथा ग्वालदम-नन्दकेसरी सड़क मार्गों के साथ-साथ राजजात के सभी पैदल मार्गों के सुधारीकरण एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने को कहा। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से रीप के माध्यम से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इससे स्थानीय उत्पादों, सेवाओं एवं व्यवस्थाओं को बढ़ावा मिलेगा तथा यात्रा के माध्यम से स्थानीय लोगों की आजीविका के अवसर भी सुदृढ़ होंगे। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, जिला पर्यटन अधिकारी अरविन्द गौड़, नन्दा देवी राजजात समिति के पदाधिकारी भुवन नौटियाल, कर्नल हरेन्द्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

पेयजल किल्लत से अल्मोड़ा और रानीखेत में बढ़ी परेशानी

अल्मोड़ा/रानीखेत। मानसून के सीजन में भी जिले के कई हिस्सों में लोगों को भारी पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। कहीं मुख्य पाइपलाइन फटने से शहर के लोग प्यासे है, तो कहीं विभागीय अनदेखी के चलते पुराने वाटर टैंक जीर्ण–शीर्ण हो चुके हैं। अल्मोड़ा नगर के कई क्षेत्रों में लगातार दूसरे दिन जलापूर्ति ठप रहने से लोगों में विभाग के प्रति भारी आक्रोश है, वहीं रानीखेत के ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी के लिए हाह–ाकार मचा हुआ है। अल्मोड़ा नगर के सर्किट हाउस जलाशय के लिए जलापूर्ति करने वाली पेयजल लाइन पानी के अत्यधिक दबाव के चलते बुधवार कोस सिमकनी मैदान के पास फट गई थी। बृहस्पतिवार को जलाशय से जुड़े क्षेत्रों में पानी मिलने की उम्मीद थी लेकिन बाजार क्षेत्र में आधे हिस्से में ही पानी मिल पाया। खत्याड़ी, दुगालखोला, जोशीखोला में पानी नहीं आने से लोगों को लगातार दूसरे दिन भी दिक्कत झेलनी पड़ी। पातालदेवी जलाशय से जुड़े पांडेखोला, कर्नाटक खोला क्षेत्र में भी जलापूर्ति ठप रही। पानी नहीं आने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी।

डीएम ने नोडल अधिकारी नामित किए

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : प्रदेश में सेवा, सुशासन एवं समर्पण के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 04 से 10 जुलाई तक सेवा सप्ताह मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान राज्य सरकार द्वारा बीते पांच वर्षों में किए गए विकास कार्यों एवं जनहितकारी योजनाओं आमजन तक पहुंचाने तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से आच्छादित करने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही 29 जुलाई, 2026 तक विभिन्न स्थलों पर कैंप आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को नोडल नामित किया है।

निर्धारित रोस्टर के अनुसार 04 जुलाई को क्रीड़ा मैदान अगस्त्यमुनि में कैंप/कार्यक्रम हेतु जिला उद्योग केंद्र महाप्रबंधक को नोडल बनाया गया है। इसी तरह 05 जुलाई को विकासखंड कार्यालय ऊखीमठ आयोजित कैंप के लिए जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, 06 जुलाई को विकासखंड कार्यालय जखोली हेतु जिला पर्यटन अधिकारी, 07 जुलाई को विकासखंड अगस्त्यमुनि में प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र तथा 08 जुलाई को क्रीड़ा भवन अगस्त्यमुनि में आयोजित कार्यक्रम के लिए मुख्य कृषि अधिकारी को नोडल नामित किया गया है।

स्कूल गई 10वीं की छात्रा किशोर संग भागी

हल्द्वानी। शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल की कक्षा 10वीं की छात्रा अपनी मां के लाखों रुपये मूल्य के सोने के जेवरात लेकर किशोर के साथ भाग गई। छात्रा के परिजनों ने हल्द्वानी कोतवाली में मामले की प्राथमिकी दर्ज करा दी है। शहर निवासी व्यक्ति ने बृहस्पतिवार को कोतवाली में तहरीर दी। उनके अनुसार एक जुलाई की सुबह उन्होंने अपनी 15 वर्षीय बेटी को नैनीताल रोड के निकट स्थित उसके स्कूल के गेट पर छोड़ा था। दोपहर 3:15 बजे छुट्टी होने पर वह बेटी को लेने स्कूल गए तो पता चला कि वह स्कूल नहीं आई है।

डॉक्टरों के बड़े पैमाने पर तबादलों पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

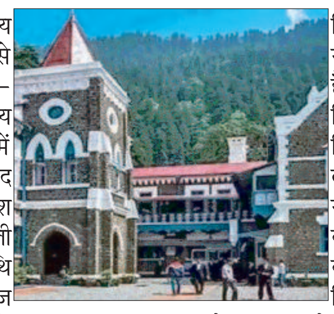

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग की ओर से बड़े पैमाने पर विशेषज्ञ चिकित्सकों–चिकित्सकों के स्थानांतरण से स्वास्थ्य सेवाओं प्रभावित होने के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद सरकार को स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन जुलाई की तिथि नियत की है। वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से नैनीताल सहित प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली को लेकर जनहित याचिका दायर की थी। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। गुरुवार को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हाईकोर्ट में हस्तक्षेप प्रार्थना पत्र दाखिल किया। प्राधिकरण की ओर से कोर्ट को बताया कि चिकित्सकों के स्थानांतरण से स्वास्थ्य सेवाएं चरमराने का अंदेशा है। नैनीताल बीडी पांडे जिला चिकित्सालय से छह विशेषज्ञ चिकित्सकों के स्थानांतरण कर दिए लेकिन उसके बदले में पांच सामान्य चिकित्सक व एक विशेषज्ञ को भेजा गया है। हल्द्वानी मेडिकल कालेज से 16 विशेषज्ञ चिकित्सकों के स्थानांतरण कर दिए गए। मेडिकल कालेज के प्रसूति रोग विभाग में केवल दो विशेषज्ञ चिकित्सक रह गए हैं जबकि मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया के मानक के अनुसार कम से कम 15 चिकित्सक होने चाहिए। हल्द्वानी मेडिकल कालेज में फेकल्टी के 112 पद रिक्त हैं। इसके अलावा अन्य अस्पतालों से भी विशेषज्ञ चिकित्सकों का स्थानांतरण कर दिया गया लेकिन प्रतिस्थानी भेजे ही नहीं गए या भेजे तो सामान्य चिकित्सक भेज दिए।

बालासौड़ में नए नलकूप से सुदृढ होगी पेयजल व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल संबंधी शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए निर्धारित समय के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को वार्ड संख्या-25 बालासौड़ में उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) के तहत निर्मित नए नलकूप का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र की बढ़ती आबादी को देखते हुए लंबे समय से अतिरिक्त पेयजल स्त्रोत की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। नए नलकूप के शुरू होने से सैकड़ों परिवारों को नियमित, स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गर्मी के मौसम में

पानी की समस्या से राहत दिलाने के साथ ही भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भी जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि प्रदेश सरकार मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। पेयजल के अलावा सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई जैसी आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्य भी लगातार कराए जा रहे हैं, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस अवसर पर सुनील पुंडीर, मनोज जखमोला, आशा डबराल, पूनम रावत, मंडल अध्यक्ष प्रेमा खंतवाल, पार्षद नीरूबाला खंतवाल, पार्षद ऋतु चमोली, मुकेश डबराल, गजेंद्र मोहन धस्माना, राकेश देवरानी, उमेद सिंह बिष्ट, राजेंद्र जजेड़ी, अमिताभ अग्रवाल, मंजू जखमोला, मंडल अध्यक्ष अनिल नवानी, विनोद मलासी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

हवालबाग में वीबीजी–राम जी का शुभारंभ

अल्मोड़ा। विकासखंड हवालबाग सभागार में बृहस्पतिवार को विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबीजी–राम जी) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडु ने की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत–2047 के संकल्प को साकार करने में ग्रामीण भारत की अहम भूमिका है। यह मिशन ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, किसानों और स्वयं सहायता समूहों को रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इससे जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने योजना के सफल संचालन में जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। कार्यक्रम के बाद ग्राम पंचायत कनालबुंगा में आजीविका संवर्द्धन के तहत मौन पालन (बी–कीपिंग), बॉटल ब्रश एवं सदाबहार पौधों का रोपण तथा जल संरक्षण कार्य शुरू कर मिशन के प्रथम कार्य का शुभारंभ किया गया।

बदहाल सड़क पर फूटा व्यापारियों का गुस्सा

पुरोला। मोरी बैंड से राजकीय इंटर कॉलेज तक जाने वाली सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय व्यापारियों में रोष है। व्यापार मंडल ने सड़क की तत्काल मरम्मत और जल निकासी की समुचित व्यवस्था की मांग रखी है।

चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार कार्य शुरू नहीं किया गया तो व्यापारी और क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

व्यापार मंडल का कहना है कि मोरी बैंड से राजकीय इंटर कॉलेज तक का यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसी सड़क पर करीब आधा दर्जन शिक्षण संस्थान संचालित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं, अभिभावक और शिक्षक आवागमन करते हैं। इसके अलावा पीएमजीएसवाई, जल संस्थान, वन विभाग और वन निगम सहित कई सरकारी कार्यालय भी इसी मार्ग पर स्थित हैं जिससे अधिकारियों, कर्मचारियों और आम लोगों की आवाजाही लगातार बनी रहती है।

व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकित पंवार ने कहा कि महत्वपूर्ण मार्ग होने के बावजूद सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है। जगह–जगह बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सड़क किनारे जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बरसात का पानी सड़क पर बहता है और मार्ग नाले का रूप ले लेता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

हर्षिल में उफनाई तेलगाड नदी, मलबे में दबा निर्माणाधीन पुल सामग्री

उत्तरकाशी। हर्षिल घाटी में बीते बृहस्पतिवार रात में हुई बारिश के कारण तेलगाड नदी उफान पर आ गई है जिससे मलबा गंगोत्री हाईवे तक पहुंचने से पुल निर्माण के लिए रखी सामग्री मलबे में दब गई है। साथ ही वहां पर पुल की निर्माणाधीन दीवारों को भी नुकसान हुआ है। हालांकि हाईवे पर वैकल्पिक अस्थायी पुल से आवाजाही सुचारू है। दूसरी ओर गत वर्ष तेलगाड के मुहाने पर हुए भूस्खलन के कारण बनी झील भी यथावत बनी हुई है। भागीरथी नदी के बाद अब तेलगाड नदी का जलस्तर बढ़ने से हर्षिल के लोग भयभीत हैं। पहले भागीरथी नदी का जलस्तर बढ़ने से हर्षिल के आबादी वाले क्षेत्र में कटाव शुरू होने के साथ ही पेड़ों के गिरने का खतरा बना है। वहीं दूसरी ओर बीती बृहस्पतिवार को क्षेत्र में हुई बारिश के कारण तेलगाड भी उफान पर आ गई। पानी के साथ मलबा बह कर आने से बीआरओ ने पुल

निर्माण के लिए जो सामग्री रखी थी वह दब गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गत वर्ष भी तेलगाड के मुहाने पर भूस्खलन के कारण झील बन गई थी। आगामी बरसात में वह भी बड़ा खतरा बन सकता है। क्योंकि गत वर्ष भी तेलगाड में आई आपदा में सेना के जवान बह गए थे। साथ ही भागीरथी में झील बन गई थी। इस बार भी मानसून सीजन शुरू होते ही तेलगाड में बढ़ता जलस्तर खतरे को न्योता दे रहा है। क्योंकि दोनों नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण अब सुरक्षा कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। नदी में मात्र एक ही जेसीबी कार्य कर रही है। डीएम प्रशांत आर्य का कहना है कि तेलगाड के मुहाने पर बनी झील का निरीक्षण करवाया गया था। वह यथावत है। हर्षिल की सुरक्षा के लिए सिंचाई विभाग की ओर से कार्य किया जा रहा है।

सेवा सप्ताह के तहत अगस्त्यमुनि में आयोजित होगा मुख्य कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : प्रदेश में सेवा, सुशासन एवं समर्पण के अंतर्गत राज्य सरकार के निर्देशों के अनुपालन में जनपद रुद्रप्रयाग में सेवा सप्ताह मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। सेवा सप्ताह के दौरान जनपद स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनका उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा बीते पांच वर्षों में किए गए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाना है। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित कर उन्हें योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ उपलब्ध कराना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है।

इसी क्रम में 4 जुलाई को क्रीड़ा भवन अगस्त्यमुनि में जनपद स्तरीय मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां आमजन को विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं लाभकारी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित भी किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने क्रीड़ा मैदान

अगस्त्यमुनि पहुंचकर व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंच व्यवस्था, विभागीय स्टॉल, पेयजल, विद्युत, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अपने दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जिन विभागों को जो भी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, ताकि कार्यक्रम का सफल एवं व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, खंड विकास अधिकारी सुरेश शाह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 आज

–सैमसन पर प्रदर्शन का रहेगा दबाव, वैभव कर रहे डेब्यू की उम्मीद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां दूसरा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। बारिश के कारण पहला टी20 मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। पहले टी20 में भी अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली थी पर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं पहले मैच में रन बनाने में विफल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन पर मैच में अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव रहेगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उनके असफल रहने के बाद से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उतारने की मांग तेज होती जा रही है। ऐसे में सैमसन को बेहतरीन पारी खेलकर अपनी जगह पक्की करनी होगी। अगर वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाते तो उनके लिए अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। बारिश से धुले पहले मैच में भी वह केवल 7 गेंदों का सामना करते हुए केवल एक रन बना पाये थे। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामक रुख नहीं दिखा था। तेज पिच पर उनकी तकनीक की कमी नजर आयी। इससे वह आयरलैंड के खिलाफ भी दोनो मैच में रन नहीं बना पाये थे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सैमसन पर लोगों का भरोसा बना था पर वह इस दौरे में अब तक अपनी लय नहीं दिखा पाये हैं। वहीं इसी दौरान वैभव का तेजी से उदय हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने आक्रामक पारियां खेली हैं उससे उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह देने का दबाव बढ़ गया है। अब देखना होगा कि उन्हें इस मैच में अवसर मिलता है या नहीं।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है, जिससे सैमसन पर दबाव और बढ़ गया है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा को भी तेज गति से रन बनाने होंगे, क्योंकि स्पिनरों के आने के बाद उनकी रन गति धीमी पड़ जाती है। इस साल 12 टी20 मैचों में वह केवल 12 छक्के लगा पाये हैं जो एक फिनिशर के लिए अच्छा आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा पर आधारित रहेगी। भारतीय बल्लेबाजों को मेजबान गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद से सावधान रहना होगा।

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है, ऐसे में गेंदबाजी में किसी बड़े बदलाव की संभावनाएं कम है। भारतीय टीम के गेंदबाजों को मेजबान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक, फिल सॉल्ट और टॉम बैंटन से सावधान रहते हुए इन्हें बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। हैरी आजकल काफी अच्छे फार्म में हैं और मैच का रुख पलटने में माहिर है। ऐसे में उन्हें जल्द आउट करना होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत – श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड – हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में आर्चर की वापसी

–कोल्स और टंग पहली बार शामिल किये गये

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में दो नए युवा खिलाड़ियों ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज जोश टंग को पहली बार शामिल किया गया है। ये दोनो ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। इंग्लैंड ने अपनी टीम को मजबूत करने के लिए युवा प्रतिभाओं पर भरोसा दिखाया है। कोल्स अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन से टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं, वहीं टंग अपनी गति और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते हैं। इनके अलावा, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद को भी टीम में शामिल किया गया है।

तीन मैचों की यह एकदिवसीय श्रृंखला क्रमशः 14, 16 और 19 जुलाई को खेली जाएगी। पहला मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में, दूसरा मुकाबला कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में और निर्णायक तीसरा मैच क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

इस टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। मार्च 2021 के बाद पहली बार एकदिवीसय क्रिकेट में वापसी कर रहे आर्चर इंग्लैंड के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। अपनी रफ्तार, बाउंस और यॉर्कर से दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आर्चर की वापसी इंग्लैंड के लिए बेहद अहम है।

16 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जो रूट, बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और जोश टंग।

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड : गुकेश नें अनीश को दी मात, दूसरे स्थान पर पहुँचे

जाग्रेब, क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश नें ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छा खेल दिखाते हुए खुद को सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँचा दिया है, पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव से हार का सामना करना पड़ा था वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान सारिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमवतन प्रज्ञानन्दा से ड्रा खेलते हुए किया था वहीं दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डेनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद गुकेश नें लगातार दो बाजियों में क्रमशः नीदरलैंड के यान फारेस्ट जॉर्डन और अनीश गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँच गए है अब अंतिम दिन उन्हें उज़्बेकिसतान के अब्दुसत्तोरोव, जर्मनी के विंसेंट केमर और फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा का सामना करना है, वहीं प्रज्ञानंदा के लिए पहले दिन की अच्छी शुरुआत को दूसरे दिन वह क़ायम नहीं रख पाये और उन्हें अब्दुसत्तोरोव और अलीरेजा से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होंने जॉर्डन को मात देते हुए एकमात्र जीत दर्ज की, फ़िलहाल फ्रांस के अलीरेजा 10 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे है गुकेश 7 और प्रज्ञानंदा 6 अंकों पर है.

फीफा विश्वकप : स्विट्ज़रलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

88 साल बाद नॉकआउट मुकाबला जीता

वैंकूवर (एजेंसी)। ब्रिल एम्बोलो और डैन एनदोये के शानदार गोलों की सहायता से स्विट्ज़रलैंड ने नॉक आउट मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया है। अब स्विट्ज़रलैंड की टीम का मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा

इस मैच की शुरुआत में अल्जीरिया ने लगाकर हमले कर दबाव बनाने का प्रयास किस पर इसके बाद स्विट्ज़रलैंड ने वापसी करते हुए मैच में अपना नियंत्रण बना लिय।। मैच में योहान मंजाम्बी के एक क्रास पर ब्रिल एम्बोलो ने गोल दागकर स्विस टीम को 1--0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ ही एम्बोलो ने अपना 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके बाद अल्जीरिया ने काफी प्रयास किस पर वह गोल करने में असफल रही।

वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डैन एनदोये के गोल से स्विट्ज़रलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर दी। अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान ने डैन शॉट को रोकने का पूरा प्रयास किया पर वह सफल नहीं रहे। स्विट्ज़रलैंड की ओर से फैबियन रीडर ने इसके बाद एक अच्छा मूव बनाया पर वह गेंद को गोल में नहीं दाग पाये। स्विट्ज़रलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने 1938 में फ्रांस में खेले गए विश्व कप के बाद से नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था। हालांकि, 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले तीन विश्व कप में भी स्विट्ज़रलैंड अंतिम 16 में पहुंचा था, लेकिन वह जीत दर्ज करने में विफल रहा था।

दूसरी ओर अल्जीरिया 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा था। 2014 में भी वह नॉकआउट राउंड तक पहुंचा था, लेकिन तब जर्मनी से हार गया था। अल्जीरिया ने कैनसस सिटी में शनिवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई थी। इस परिणाम से दोनों टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंच गईं थीं जबकि ईरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

'सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा', डेब्यू का इंतजार कर रहे युवा खिलाड़ी पर बोले पूर्व विकेटकीपर

स्पोर्ट्स डेस्क । वैभव सूर्यवंशी का इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है, जबकि उन्हें टीम में शामिल करने की मांग तेज होती जा रही है। 15 साल के इस शानदार बल्लेबाज को आयरलैंड के खिलाफ टी20आई सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला और इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच की प्लेइंग इ्द्ध में भी उन्हें जगह नहीं मिली। लगातार बाहर रहने के बावजूद उन्हें लेकर उत्साह कम नहीं हुआ है। IPL में शानदार प्रदर्शन के बाद सूर्यवंशी को पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों का भरपूर समर्थन मिला है। कई लोगों का मानना है कि उन्हें जल्द ही मौका मिलना चाहिए। लेकिन भारत के पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल का मानना है कि सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा। पटेल ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि इस सीरीज में किसी न किसी समय वैभव सूर्यवंशी को जरूर मौका मिलेगा। लेकिन इस समय बातचीत बहुत जरूरी है। आप जानते हैं कि जब आप कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होते हैं, तो आपको यह पक्का करना होता है कि आप बल्लेबाज को सही संकेत दे रहे हैं।' भारत के पूर्व विकेटकीपर ने आगे कहा कि सूर्यवंशी को उनकी भूमिका के बारे में जानकारी देने से उन्हें डेब्यू का इंतजार करते समय सब्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई । क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सर डॉन ब्रैडमैन ने साल 1936–37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

फीफा विश्वकप में स्पेन के गोलकीपर साइमन ने 36 साल पुराना गोल न खाने का रिकॉर्ड तोड़ा

इंगलवुड (एजेंसी)। स्पेन के अनुभवी गोलकीपर उनाई साइमन ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में 3-0 की शानदार जीत के दौरान ही एक नया रिकार्ड बना दिया। साइमन ने इसी के साथ ही 36 साल पुराने सबसे अधिक तक तक गोल न खाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। साइमन ने मौजूदा विश्व कप में अब तक एक भी मैच में गोल नहीं होने दिया है।

साइमन के इस रिकार्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी अब तक उन्होंने कुल 519 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल दागने से रोके रखा है। इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा के 1990 में स्थापित किए गए 517 मिनट तक गोल न होने देने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जेंगा ने उस समय लगातार पांच मैचों में क्लीन शीट रखकर यह कीर्तिमान बनाया था। साइमन ने भले ही जेंगा की क्लीन शीट की संख्या को अभी नहीं छुआ हो, लेकिन गोल न खाने के समय के मामले में उन्होंने सभी को पछाड़ दिया है।

इस विश्व कप में साइमन को शायद सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों की सूची में शीर्ष पर नहीं रखा गया था पर इस खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और इसका श्रेय काफी हद तक साइमन की गोलकीपिंग को जाता है। उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की।

वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप से शुरू हुआ था।

महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है ऑस्ट्रेलियाई टीम

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पुरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी स्टार खिलाड़ी एलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो एलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निट्स्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निट्स्के ने कहा है कि अगर पैरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती हैं, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पेरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयीं थी। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्वाड्रिसेप्स खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निट्स्के से पूछा गया कि क्या पेरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पैरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पेरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में पैरी की पारी की अहम भूमिक रही थी।

रोनाल्डो और पुर्तगाल ने अपने पूर्व खिलाड़ी डियोगो जोटा को दी श्रद्धांजलि, कार दुर्घटना में हो गया था निधन

टोरंटो । दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल ने गुरुवार को टोरंटो में क्रोएशिया पर 2–1 से विश्व कप जीत के बाद अपने पूर्व साथी खिलाड़ी डियोगो जोटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। क्रोएशिया के खिलाफ पेनल्टी के जरिए राउंड–ऑफ–32 मुकाबले में पुर्तगाल के लिए अपना पहला गोल करने वाले रोनाल्डो ने अंतिम सीटी बजने के बाद जोटा की नंबर 21 पुर्तगाल जर्सी पहनी और भावुक होकर अपने साथियों के साथ इकट्ठा होते हुए आसमान की ओर इशारा किया। शुक्रवार को जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की पश्चिमी स्पेन में एक कार दुर्घटना में मृत्यु को ठीक एक साल पूरा हो जाएगा। डियोगो जोटा ने पुर्तगाल के लिए 49 मैच खेले और 14 गोल किए। रोनाल्डो ने फॉक्स न्यूज़ से कहा, 'हमें मैच से पहले ही पता था, यह एक बहुत ही खास पल था। आज हम सब मिलकर जीवन के इस संयोग के बारे में बात कर रहे हैं, यह अविश्वसनीय है। मैं आश्चर्यचकित था क्योंकि आज की स्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती है, न केवल इसलिए कि हमने मैच जीता बल्कि जिस तरह से हमने जीता।'

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 महिला विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई

-रविवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगी टक्कर

लंदन । इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब यहां उसका मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से होगा अगर इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतती है तो ये उसका दूसरा विश्वकप खिताब होगा। इससे पहले, इंग्लैंड ने साल 2009 में खेले गए अपने उद्घाटन टी20 विश्व कप सत्र में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की जीत में नैट साइवर–ब्रंट और कप्तान हीथर नाइट की शानदार पारियों की अहम भूमिका रही है। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रन बनाये। साइवर–ब्रंट ने 47 गेंदों पर 75 रन बनाए, जबकि नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाये। इस शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 169 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज इस्माइल ने अपनी पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट कर टी20 महिला विश्वकप में अपने 50 विकेट पूरे किये। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया। म्लाबा ने लगातार तीन गेंदों के भीतर नाइट और साइवर–ब्रंट दोनों को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को विकेट दिलाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने शुरुआती तीन ओवरों में दो रन बनाए। वह 13 रनों पर ही आउट हो गयी जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 43 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते गये। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद अपनी सधी हुई गेंदबाजी से अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

हरभजन सिंह 46 के हुए: भारतीय क्रिकेट के टर्बनेटर का शानदार सफर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह आज 46 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें देश-दुनिया के उनके साथी क्रिकेटरों, पूर्व खिलाड़ियों और असंख्य प्रशंसकों की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। टर्बनेटर और भज्जी के नाम से क्रिकेट जगत में लोकप्रिय हरभजन सिंह को उन चुनिंदा स्पिन गेंदबाजों में गिना जाता है, जिन्होंने अपनी करिश्माई घूमती गेंदों और अदम्य साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुंचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी चयनकर्ताओं ने हरभजन को अवसर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन के सिर से पिता का साया उठ गया, जिसके बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक संकट इतना गहरा था कि वह इस कदर मजबूर हो गए थे कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने और अपनी आजीविका चलाने के लिए अमेरिका जाकर ट्रक ड्राइवर बनने तक की योजना बना ली थी।

यह हरभजन के जीवन का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उनकी बहनों ने इस समय उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें खेल पर ही ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके बाद, उन्होंने रणजी ट्रॉफी में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर साल 2001 में एक बार फिर उन्हें टीम में अवसर मिला, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर थी और अनिल कुंबले चोट के कारण बाहर थे। तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने इस युवा ऑफ स्पिनर पर गहरा भरोसा जताया और उन्हें टीम में शामिल करने का साहसिक निर्णय लिया। गांगुली के इस फैसले ने न केवल हरभजन के करियर को नई दिशा दी, बल्कि भारतीय क्रिकेट के इतिहास को भी हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। इस ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में हरभजन ने अकेले दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त करते हुए कुल 32 विकेट झटके। इसी सीरीज में उन्होंने शानदार हैट्रिक ली, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा ली गई पहली हैट्रिक थी। इस सीरीज ने न सिर्फ हरभजन का करियर पुनर्जीवित किया, बल्कि उन्हें टीम इंडिया का एक अविस्मरणीय और मुख्य गेंदबाज भी बना दिया।

हरभजन की सबसे बड़ी ताकत उनकी आक्रामक शैली, कभी न हार मानने वाला जज्बा और उनकी रहस्यमयी गेंद 'दूसरा' थी। एक ऑफ स्पिनर होते हुए भी गेंद को लेग स्पिनर की तरह बाहर की तरफ निकालने की इस दुर्लभ कला ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को भी भ्रमित कर दिया। भज्जी केवल टेस्ट क्रिकेट के ही नहीं, बल्कि सीमित ओवरों के भी बेताज बादशाह थे। वह भारत की दो सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीतों - 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्व कप - विजेता टीम के प्रमुख और अभिन्न सदस्य रहे। इसके अलावा, निचले क्रम में आकर जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाकर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालने में भी वह हमेशा आगे रहे। उनका करियर भारतीय क्रिकेट में संघर्ष, वापसी और शानदार सफलता की एक प्रेरक गाथा है, जिसे आज भी याद किया जाता है।